

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



सात ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, एनडीपीएस ... पेज: 6

हॉरर फ्रेंचाइजी 'जानी दुश्मन : डर के .... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 218 | गुरूवार 12 नवम्बर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के बाद भी पटाखों का शोर जारी, एक्यूआई 1000 के पार

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया त्योहार के नाम पर नियमों की अनदेखी नहीं की जा सकती

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के बाद भी पटाखे चलाने का शोर जारी है, जिससे एक्यूआई कई इलाकों में 1000 से ऊपर पहुंच गया है। दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि राजधानी में पटाखे जलाने की तय समय-सीमा अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है और अब पटाखे पूरी तरह बैन हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में केवल 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे के बीच सर्टिफाइड ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी थी, जिसे धार्मिक प्रथा बताया गया था।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और किसी भी साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर तब भी पूर्ण प्रतिबंध था। अब हवा जहरीली होती जा रही है, वहीं दूसरी तरफ देर रात तक और सुबह-सुबह भी पटाखों के फूटने की आवाजें आ रही हैं। इससे उन लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है, जिन्हें सुबह जल्दी काम पर जाना होता है। बुजुर्गों, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बीमार लोगों के लिए यह शोर और भी मुश्किल पैदा कर सकता है। सामान्य नियम के मुताबिक, रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया है कि त्योहार के नाम पर इन नियमों की अनदेखी नहीं की जा सकती है।

अगर आपके आसपास रात 10 बजे के बाद भी तेज आवाज वाले पटाखे फोड़े जा रहे हैं, तो आप पुलिस की मदद ले सकते हैं। इसके लिए 112 नंबर पर कॉल करें। आप अपनी परेशानी बताएं और उस जगह का पूरा पता दें जहां आतिशबाजी हो रही है। इसके अलावा आप नजदीकी पुलिस स्टेशन में फोन करके सूचना दे सकते हैं या वहां जाकर लिखित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कई शहरों में जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ी एजेंसियां भी विशेष हेल्पलाइन या कंट्रोल रूम चलाती हैं। यदि पड़ोसियों से विवाद का डर हो, तो पुलिस को यह बात बताकर अपनी पहचान गोपनीय रखने का अनुरोध कर सकते हैं।

एयर इंडिया की फ्लाइट हाईजैक की धमकी से कोलकाता एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप

- –विमान के वॉशरूम में मिला धमकी भरा नोट, सुबह 11 :10 बजे हाईजैक करने की लिखी थी बात ; सभी यात्री सुरक्षित

कोलकाता , एजेंसी। कोलकाता से मुंबई जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट में बुधवार को हाईजैक की धमकी मिलने से नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हड़कंप मच गया। विमान के वॉशरूम में धमकी भरा नोट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। एहतियात के तौर पर विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। राहत की बात यह रही कि विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान के वॉशरूम में मिले नोट में कथित तौर पर लिखा था कि सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर विमान का अपहरण कर लिया जाएगा। उड़ान भरने से पहले ही पायलट ने इसकी जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को दे दी। इसके बाद विमान को सामान्य संचालन से अलग कर आइसोलेशन बे में पहुंचाया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर विमान की गहन तलाशी शुरू की गई। अधिकारियों ने सुरक्षा संबंधी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू कर दी है।



अक्टूबर में भी मिला था हाईजैक अलर्ट– एयर इंडिया के विमान को धमकी मिलने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले अक्टूबर में फ्रैंकफर्ट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 2030 को भी हाईजैक अलर्ट के बाद जयपुर एयरपोर्ट पर उतारा गया था। बोइंग 787–9 विमान में उस समय 293 यात्री और चालक दल के 13 सदस्य सवार थे।

गुवाहाटी के पास रेल हादसा : इंजन समेत कई डिब्बे पटरी से उतरे

गुवाहाटी, एजेंसी। दिगारू के पास एक बड़ा रेल हादसा हो गया। कोलकाता से सैरंग जा रही कोलकाता–सैरंग एक्सप्रेस (13125) का इंजन समेत कई डिब्बे पटरी से उतर गए। यह घटना सुबह करीब 6-54 बजे हुई, जब ट्रेन के इंजन के साथ लगभग 6 से 7 डिब्बे एक–दूसरे से टकराकर बिखर गए। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई, हालांकि अच्छी खबर यह है कि इस घटना में किसी भी यात्री के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। हादसे की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू कर दिया गया है और रेलवे ने एक रिलीफ ट्रेन भी दुर्घटनास्थल पर भेजी है। पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय प्रशासन की टीमें भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था कर दूसरी ट्रेन से आगे भेजा जा रहा है। रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने पुष्टि की कि अभी तक किसी हताहत की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि इस ट्रेन हादसे के कारण रेल यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है, जिसके चलते कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से लेट चल रही हैं और कुछ ट्रेनों को दूसरे मार्गों पर डायवर्ट किया गया है।

सोनिया गांधी की किताब ने हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया

- वीएचपी ने लगाया आरोप, कांग्रेस नेतृत्व से की माफी मांगने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब बिलोंगिंग-ए जर्नी ऑफ लव के विमोचन के बाद से राजनीतिक गलियारों में विवाद गहरा गया है। विश्व हिंदू परिषद ने सोनिया गांधी से माफी की मांग की है, आरोप है कि उनकी किताब ने हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि कांग्रेस नेतृत्व माफी मांगे, क्योंकि हिंदू समाज अब इस तरह के हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा। वीएचपी के केंद्रीय संयुक्त महासचिव ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी मुसलमानों से जुड़ी घटनाओं पर विशेष चिंता जताती हैं, जबकि हिंदुओं के साथ होने वाली हिंसा पर वह चुप रहती हैं। उन्होंने बाबरी ढांचे के गिराए जाने पर सोनिया गांधी की प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि उस वक्त उनकी आंखों में आंसू थे। हालांकि, उन्होंने कश्मीर में हिंदुओं की हत्याओं और घाटी में मंदिरों को गिराए जाने पर चुप्पी साध रखी थी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या दिल्ली में गोहत्या–विरोधी आंदोलन के दौरान संतों की हत्या और निहत्थे कार सेवकों की हत्या पर सोनिया गांधी ने दुख जताया था? उन्होंने पूछा कि जब बस्तर में नक्सलियों ने उनकी अपनी ही पार्टी के नेताओं की हत्या कर दी थी, तब क्या उनकी आंखों से आंसू निकले थे? जब पहलगाम में पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी, तब क्या वह रोई थीं? ये सवाल सोनिया गांधी की पुस्तक के जरिए हिंदू समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल उठाते हैं।

केरलम में विशेष विधानसभा सत्र की सिफारिश

तिरुवंतनमपुरम, एजेंसी। केरलम सरकार ने 30 नवंबर से 10 दिसंबर तक विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने के लिए राज्यपाल से सिफारिश करने का फैसला किया है। केरलम के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने साप्ताहिक मंत्रिमंडल बैठक के बाद बताया कि इस सत्र में लंबित विधेयकों पर विचार किया जाएगा और नए विधेयक पेश किए जाएंगे। मंत्रिमंडल ने कासरगोड और वायनाड जिलों में 400 किलोवोल्ट (केवी) क्षमता वाली बिजली पारेषण लाइनों के निर्माण के संबंध में संशोधित मुआवजा पैकेज पेश करने का भी निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त, अगड़ी जातियों में आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईडब्लूएस) के लिए केरल राज्य आयोग द्वारा सरकार को सौंपी गई सिफारिशों पर तैयार एक रिपोर्ट को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस रिपोर्ट में आयोग की उन सिफारिशों का विवरण है, जिन पर कार्रवाई की जा सकती है या जिन्हें लागू करने की योजना है, साथ ही कुछ सिफारिशों को लागू न कर पाने के कारण भी बताए गए हैं।

सीजेपी नेता दीपके को मिली राहत, व्यक्तिगत पेशी से मिली छूट

नई दिल्ली , एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के नेता अभिजीत दीपके को एक महत्वपूर्ण राहत मिली है। उन्हें एक विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने चल रही जांच के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी गई है। यह मामला 16 अक्टूबर को हुए एक विरोध प्रदर्शन से संबंधित है। दीपके मंगलवार को मंदिर मार्ग थाने में पेश नहीं हुए। उनके वकील अभिक चिमनी ने बताया कि खराब स्वास्थ्य के कारण वह व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो सके, जिसके बाद मजिस्ट्रेट ने उन्हें यह छूट प्रदान की। इस मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को निर्धारित की गई है। पिछली सुनवाई के दौरान दीपके के वकील को पुलिस की रिपोर्ट और कानूनी दस्तावेजों की प्रतियां दी गई थीं। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर दिल्ली पुलिस ने दीपके को कारण बताओ नोटिस जारी किया था और उनसे शांति बनाए रखने के लिए एक बॉन्ड भरने को कहा गया था। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कुछ हफ्ते पहले ही दीपके को एक मजिस्ट्रेट द्वारा सशर्त जमानत दी गई थी। उन्हें यह जमानत तब मिली थी जब उन पर पहले भरे गए शांति बॉन्ड का उल्लंघन करने का आरोप लगा था। इस जमानत की एक मुख्य शर्त यह थी कि उन्हें एक साल तक शांति बनाए रखनी होगी और ऐसा कोई काम नहीं करना होगा जिससे शांति भंग हो। अभिजीत दीपके को 16 अक्टूबर को उस समय हिरासत में लिया गया था जब वे लहरा दो तिरंगा अभियान के दौरान मार्च में शामिल होने के लिए कनॉट प्लेस जा रहे थे। दिल्ली पुलिस ने उन्हें इस मार्च में शामिल नहीं होने का नोटिस दिया था, जिसमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा का हवाला दिया गया था। शांति बॉन्ड का उल्लंघन करने के आरोप में उन्हें 17 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने उन्हें सशर्त जमानत दे दी। सूत्रों का कहना है कि दीपके अगली निर्धारित तारीख पर पुलिस के सामने पेश हो सकते हैं।



फोटो खिंचाने में आगे रहने वाले चढ़ावा चोरी पर चुप क्यों?

जयराम ने श्रीराम मंदिर ट्रस्ट, निर्माण और चढ़ावे की व्यवस्था से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच की मांग की

नई दिल्ली , एजेंसी । अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मंदिर से जुड़ी व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आरोप लगाया कि मंदिर ट्रस्ट के गठन से लेकर निर्माण, चंदे और चढ़ावे की गिनती तथा उसे बैंक में जमा कराने तक की व्यवस्था में भाजपा, आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े लोग प्रभावी भूमिका में रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में चढ़ावे की कथित चोरी की जिम्मेदारी से संबंधित लोग पीछे नहीं हट सकते।



कांग्रेस नेता जयराम ने दावा किया कि वर्ष 2021 में आरएसएस से जुड़े पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह ने चढ़ावे में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। उनके अनुसार, महिपाल सिंह ने कथित चोरी की जानकारी ट्रस्ट से जुड़े चंपत राय और गोपाल राव को दी थी, लेकिन कार्रवाई करने के बजाय उन्हें ही हटा दिया गया। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि यदि शिकायत पहले ही सामने आ गई थी तो अब तक जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच क्यों नहीं हुई। उन्होंने मंदिर निर्माण से जुड़े इंजीनियर दीनानाथ वर्मा के कथित आरोपों का भी उल्लेख किया। वर्मा ने ट्रस्ट कार्यालय के काम में 40 प्रतिशत कमीशन मांगे जाने का आरोप लगाया था। रमेश ने सवाल किया कि इस मामले में चंपत राय से पूछताछ हुई या नहीं और जिन लोगों पर आरोप लगे, उनमें से कुछ को आरोपी के बजाय गवाह क्यों बनाया गया।

कांग्रेस नेता ने चढ़ावे की गिनती से जुड़े कर्मचारियों और अन्य आरोपियों के कथित राजनीतिक-संगठनात्मक संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच केवल गिरफ्तार कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसी के साथ ही कांग्रेस ने मांग की है कि मंदिर के निर्माण, संचालन और चढ़ावे की पूरी व्यवस्था से जुड़े सभी जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराई जाए। साथ ही मंदिर के वित्तीय रिकॉर्ड सार्वजनिक करने और दोषी पाए जाने वालों पर कानून के अनुसार कार्रवाई की मांग की गई है। रमेश ने प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की कथित चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि राम मंदिर के नाम पर मिले दान और चढ़ावे का पूरा हिसाब देश के सामने आना चाहिए।

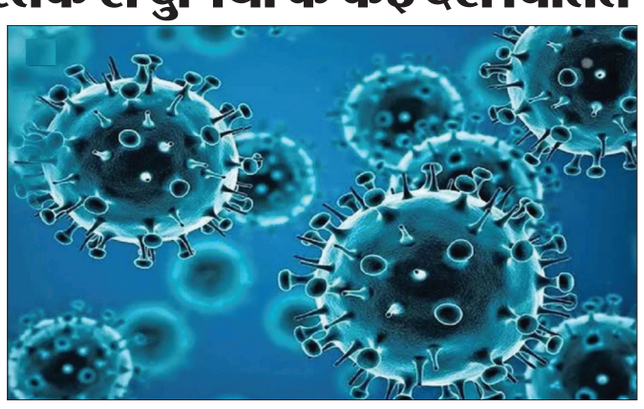
सीएम योगी का विरोधियों पर तंज....पूरे सिस्टम को भ्रष्ट कारनामों से प्रदूषित किया, उनका क्या

लखनऊ,एजेंसी। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवाली पर आतिशबाजी के कारण होने वाले प्रदूषण पर उठ रहे सवालों पर कड़ा रुख दिखाया है। उन्होंने साफ कहा कि दीपावली का प्रदूषण अपने आप समाप्त हो जाएगा, लेकिन जिन्होंने पूरे सिस्टम को भ्रष्ट कारनामों से प्रदूषित किया, उन्हें कोई नहीं पूछता। मुख्यमंत्री राजस्व विभाग के चयनित 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र और मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों को 215 करोड़ रुपए की सहायता राशि वितरण समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब लोग पर्व और त्यौहार मनाते हैं, तभी कुछ लोगों को प्रदूषण दिखने लगता है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर जनता एक दिन आतिशबाजी कर ले प्रदूषण हो गया, जबकि जिन लोगों ने अपने भ्रष्ट आचरण से पूरे तंत्र को दूषित किया, उनका क्या? उन्होंने कहा, प्रदूषण हुआ है, तब समाप्त भी हो जाएगा, यह कोई समस्या नहीं है। सीएम योगी ने देखकर संतोष व्यक्त किया कि लोगों ने धूम-धड़ाके के साथ दीपावली मनाई, क्योंकि उनकी सरकार ने इस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया। उन्होंने खुद अयोध्या में आतिशबाजी में शामिल होने की बात कही। इस मौके पर सीएम योगी ने पिछली सरकारों, विशेषकर समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा के कार्यकाल में भर्ती आयोगों और बोर्डों में भाई-भतीजावाद हावी था, जिससे युवाओं को उनका हक नहीं मिलता था। उन्होंने याद दिलाया कि सपा सरकार ने दंगाइयों का काल मानी जाने वाली यूपीपीएसी की 34 कंपनियों को खत्म किया था, जिसके परिणामस्वरूप उनके चार कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में 1500 से अधिक दंगे हुए और महीनों-महीनों कर्फ्यू लगा रहता था। उन्होंने मौजूदा धनतेरस पर बाजारों में शांतिपूर्ण चहल-पहल की तुलना पिछली स्थिति से की।

अब नए वेरियंट वाले कोरोना को लेकर भारत सतर्क- पीजे.2.1 की दस्तक से दुनिया के कई देश चिंतित

नई दिल्ली , एजेंसी। ठंड के मौसम की शुरुआत के साथ ही कोरोना वायरस के एक नए और चिंताजनक वेरिएंट पीजे.2.1 ने दुनिया भर के देशों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। दुनिया के कई देश इस नए वेरियंट को लेकर काफी चिंतित है। भारत ने भी ऐतिहात के तौर पर कई कदम उठाए गए है। बताया जा रहा है कि भारत इस नए कोरोना पर नजर रखे हुए है। जेसे ही खतरे की संभावना रहेगी भारत तत्तकाल कदम उठाएगा। इस बीच, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह नया वेरिएंट भारत पहुंच चुका है, लेकिन फिलहाल देश में इसकी मौजूदगी की पुष्टि करने वाले कोई भी ठोस सबूत सामने नहीं आए हैं। भारत में इनास्कोच (जीनोमिक्स कंसोर्टियम) जैसी संस्थाएं जीनोम सीक्वेंसिंग के जरिए कोरोना वायरस के अलग-अलग स्ट्रेन में होने वाले बदलावों पर लगातार पैनी नजर रखे हुए हैं ताकि नए वेरिएंट के प्रसार का समय रहते पता लगाया जा सके।

इस नए स्ट्रेन की पहचान सबसे पहले मई 2026 में कनाडा के ओंटारियो प्रांत में हुई थी और अब यह उत्तरी अमेरिका, यूरोप, एशिया तथा ओशिनिया के कई हिस्सों में फैल चुका है। कनाडा के अलावा सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इजरायल, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में इसके स्थानीय स्तर पर फैलने के संकेत मिले हैं। शुरुआती रिसर्च के अनुसार, इस नए वेरिएंट के स्पाइक प्रोटीन में कई आनुवंशिक बदलाव देखे गए हैं, जिससे इसकी मानव कोशिकाओं में प्रवेश करने की क्षमता बढ़ सकती है, हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह पिछले स्ट्रेन के मुकाबले ज्यादा खतरनाक है या नहीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, इस नए वेरिएंट के लक्षण भी आम सर्दी-जुकाम और इन्फ्लूएंजा (फ्लू) जैसे ही हैं, जिसमें बुखार, ठंड लगना, गले में खराश, खांसी, सिरदर्द और थकान शामिल हैं। राहत की बात यह है कि शोधकर्ताओं ने संकेत दिया है कि पीजे.2.1 में इम्युनिटी को बहुत ज्यादा चकमा देने की क्षमता नहीं है और जिन लोगों ने कोविड-वैक्सीन लगवाई है, उनके शरीर की एंटीबॉडीज इस नए वेरिएंट को बेअसर करने में पूरी तरह सक्षम पाई गई हैं, जो टीकाकरण के महत्व को रेखांकित करता है।



कृष्णा नदी जल पर तेलंगाना का कड़ा रुख, रेवंत रेड्डी ने की बैठक

ट्रिब्यूनल के सामने मजबूत पक्ष रखने की तैयारी, टेलीमेट्री सिस्टम से पानी की रियल-टाइम निगरानी पर जोर

हैदराबाद, एजेंसी । कृष्णा नदी के पानी में तेलंगाना के हिस्से को लेकर राज्य सरकार ने अपना रुख और कड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर राज्य के हिस्से को सुरक्षित करने की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में आगामी कानूनी प्रक्रिया और कृष्णा नदी के जल बंटवारे से जुड़े मामलों में तेलंगाना का पक्ष मजबूती से रखने के लिए दस्तावेज तैयार करने पर जोर दिया गया।

बैठक ऐसे समय में हुई है जब तेलंगाना सरकार कृष्णा नदी के जल बंटवारे से जुड़े मामले में ब्रजेश कुमार ट्रिब्यूनल के समक्ष अपना पक्ष रखने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से पुराने फैसलों, जल परियोजनाओं से जुड़ी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य के हितों की रक्षा के लिए ठोस तथ्यों और दस्तावेजों के साथ अपना पक्ष रखना जरूरी है।



रेवंत रेड्डी पहले भी यह मुद्दा उठाते रहे हैं कि कृष्णा बेसिन का बड़ा हिस्सा तेलंगाना में होने के बावजूद राज्य के गठन के बाद से उसे पानी का उचित हिस्सा नहीं मिला। उन्होंने कृष्णा और गोदावरी दोनों नदियों के पानी में तेलंगाना के अधिकार को लेकर कड़ा रुख अपनाने की बात कही है। बैठक में कृष्णा और गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड के हस्तक्षेपों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जल बंटवारे का अंतिम फैसला आने तक बोर्ड के फैसलों का विरोध करने और जरूरत पड़ने पर मामला सुप्रीम कोर्ट ले जाने का सुझाव दिया। उन्होंने पानी के बहाव और उपयोग की रियल-टाइम निगरानी के लिए टेलीमेट्री सिस्टम लगाने पर भी जोर दिया।

सिंचाई विभाग को अब एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसमें राज्य को अब तक हुए कथित नुकसान और जल हिस्सेदारी से जुड़े आंकड़ों को शामिल किया जाएगा। सरकार का मानना है कि यह रिपोर्ट ट्रिब्यूनल और अन्य कानूनी मंचों पर तेलंगाना का पक्ष मजबूत करने में मदद करेगी। राज्य के किसानों और कृषि क्षेत्र की पानी पर निर्भरता को देखते हुए यह मामला सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भगवान सभी के हैं, केदारेश्वर से मथुरा-वृंदावन तक जाएंगे दर्शन करने : अखिलेश यादव

लखनऊ, एजेंसी । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने धर्म, आस्था, नोटबंदी और आर्थिक मुद्दों को लेकर बीजेपी पर तीखा हमला बोला। अयोध्या यात्रा के संदर्भ में उन्होंने कहा कि भगवान सबके हैं और वह केदारेश्वर के साथ मथुरा-वृंदावन भी दर्शन करने जाएंगे। अपने पीडीए का जिक्र कर अखिलेश ने कहा, पहले दर्शन, फिर आशीर्वाद। उन्होंने कहा कि अलग-अलग धर्मों में लोग अपनी आस्था के अनुसार भगवान को याद करते हैं। अखिलेश ने परिवार और पार्टी के नेताओं का जिक्र कर शिवपाल और रामगोपाल यादव पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि उनके साथ अवधेश और पवन जैसे लोग हैं, इसलिए उन्हें किसी अन्य बात की चिंता नहीं है। इस दौरान उन्होंने बीजेपी से कथित आर्थिक लूट और लाखों-लाख करोड़ रुपये की बर्बादी का हिसाब भी मांगा।

एनसीपी विलय पर फडणवीस ने कहा- बगैर भाजपा के कोई विलय नहीं होगा

मुंबई, एजेंसी । महाराष्ट्र की राजनीति में नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। इन चर्चाओं के बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के एक बयान ने सबको चौंका दिया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि भाजपा की भागीदारी के बिना ऐसा कोई विलय संभव नहीं है। अपने सरकारी आवास पर आयोजित दिवाली मिलन समारोह के दौरान फडणवीस ने यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते प्रफुल्ल पटेल और पार्थ पवार सहित सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी के कई नेताओं ने एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की थी, जिसके बाद से विलय की बातें तेज हो गई थीं।



पत्रकारों द्वारा सुनेत्रा पवार के नेतृत्व की तुलना उनके दिवंगत पति अजीत पवार के नेतृत्व से करने पर फडणवीस ने इसे अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि अजीत पवार के पास दशकों का राजनीतिक अनुभव और महाराष्ट्र की गहरी समझ थी, जबकि सुनेत्रा पवार अभी हालात के हिसाब से खुद को ढाल रही हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनकी तुलना अजीत दादा से करना सही नहीं होगा। उन्होंने यह भी बताया कि एनसीपी के अन्य वरिष्ठ नेता मिलकर पार्टी का कामकाज संभाल रहे हैं। विलय के मामले पर टिप्पणी करते हुए, देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि केवल शरद पवार या उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ही इस पर स्पष्ट जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने दोनों ही गुटों के अन्य नेताओं के बयानों को महत्वहीन बताते हुए खारिज कर दिया। वहीं, एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय की अटकलों के बीच, शिवसेना (शिंदे गुट) के मंत्री संजय शिरसाट ने एक नया विकल्प सुझाया है। शिरसाट ने कहा कि विलय के बजाय दोनों गुटों को मिलकर बिल्कुल नया तीसरा गुट बनाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दोनों गुटों के नेता एक-दूसरे पर लगातार आरोप लगाने में व्यस्त हैं, तो विलय कैसे संभव हो सकता है? शिरसाट ने कहा कि अगर नेता एक-दूसरे पर तीखे और आक्रामक हमले कर रहे हैं, तो विलय की संभावना न के बराबर है। उन्होंने स्थिति पर हैरानी जताते हुए कहा कि सुबह भले ही विलय की बात हो, लेकिन दोपहर तक वही नेता एक-दूसरे पर आरोप लगाते नजर आते हैं, जिससे असल स्थिति को समझना मुश्किल हो जाता है।

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी



प्रहलाद सबनानी

भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है।

हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है। केंद्र सरकार की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती शमिका रवि ने भी अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि भारत में 10 वर्ष पूर्व तक गरीबी आंकलन के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति की सिफारिशों के आधार पर विचार किया जाता था। इन सिफारिशों के अनुसार भारतीय नागरिकों को पूर्व निर्धारित स्तर तक कैलोरी प्राप्त करने हेतु होने वाले खर्च से यदि अधिक आय है तो उसे गरीबी की रेखा से ऊपर मान लिया जाता था। कैलोरी की आवश्यकता शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों के लिए अलग अलग स्तर पर तय की जाती थी, इसे खाद्य गरीबी की संज्ञा भी दी जाती थी। इसके बाद, रंगराजन समिति की सिफारिशों के आधार पर गरीबी का आंकलन किया जाने लगा, जिसमें खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, कपड़ा, मकान, शिक्षा आदि को जोड़ा गया है। भारत में वर्ष 2011-12 में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, 29.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023-24 में घटकर 3.9 प्रतिशत रह गई है। यह एक अतुलनीय उपलब्धि मानी जा रही है। पूरे भारत वर्ष में ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विश्व बैंक के ही एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, (अर्थात 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की आय वाले नागरिक) वर्ष 2011 में 27 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई है। जबकि, 4.2 अमेरिकी डॉलर तक की प्रतिदिन आय वाले नागरिकों की संख्या वर्ष 2011 के 57.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 16.1 प्रतिशत रह गई है, जिसके वर्ष 2026 में 14.2 प्रतिशत एवं वर्ष 2028 में 12.1 प्रतिशत तक नीचे रहने का अनुमान विश्व बैंक द्वारा लगाया गया है।

भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है।

एक प्रश्न पूछा जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में यदि इतनी कमी आई है तो फिर गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 85 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है।



केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा भी गरीब वर्ग की सहायता के लिए विशेष योजनाएं क्यों चलाई जा रही है। इस प्रश्न के उत्तर में यह तर्क दिया जा रहा है कि उक्त योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को सामाजिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इससे गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री पर कम खर्च करना पड़ रहा है और इस मद से हुई बचत को गरीब वर्ग अपने सामाजिक स्तर में सुधार पर खर्च करने लगा है। भारत में हाल ही के समय में गरीब वर्ग की खाद्य सामग्री में फल, दूध, पनीर, दूध से बने अन्य पदार्थ, अंडे, आदि भी शामिल हो गए हैं। इससे गरीब वर्ग के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। इसके साथ ही, पूर्व में केंद्र सरकार को भारी मात्रा में अन्न का स्टॉक रखना पड़ता था। अन्न के स्टॉक को, बहुत बड़ी मात्रा में, चूहे नुक्सान पहुंचाते थे एवं वर्षा ऋतु में भी अन्न का भारी मात्रा में नुक्सान होता था। अब, चूंकि गेहूं एवं चावल जैसी खाद्य सामग्री को गरीब जनता के बीच सहायता के रूप में बांट दिया जाता है, इससे देश में अन्न की बचत ही हो रही है। केंद्र सरकार के अन्न को स्टोर करने की मद पर भी खर्च बहुत कम हो गया है। आज भारत में गरीब वर्ग भी गेहूं एवं चावल के स्थान पर पोषण सामग्री का अधिक उपयोग कर रहा है। 12 वर्ष पूर्व, भारत में 63 प्रतिशत नागरिकों द्वारा ताजे फलों का सेवन किया जाता था, आज यह संख्या बढ़कर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। देश में दालों एवं फलों जैसी खाद्य सामग्री का उपयोग लगातार बढ़ रहा है।

देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छत्तीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है। परंतु केरल में 12 प्रतिशत है तो हिमाचल प्रदेश में 17 प्रतिशत है। इतना बड़ा अंतर, राज्यों द्वारा निर्धारित की जा रही व्यापार की नीतियों में अंतर के चलते दिखाई दे रहा है। जिस प्रदेश की व्यापार एवं उद्योगों की नीतियां, व्यापारियों एवं उद्योगों के अधिक हित में हैं, उन प्रदेशों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित हो रहे हैं। आज भारत का युवा वर्ग अच्छी सरकारी नौकरी की तलाश में अधिक समय व्यतीत करने लगा है इसके कारण 18 से 30 वर्षों की उम्र के युवाओं में बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है जबकि 30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर बहुत कम है। 30 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही युवाओं को आभास होने लगता है कि अब तो जो भी रोजगार मिले उसे प्राप्त करना ही बेहतर है। इसी प्रकार, लगभग 10वीं कक्षा तक शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है परंतु स्नातक एवं स्नात्तकोतर तक की शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है। क्योंकि, अधिक पढ़ा लिखा वर्ग सरकारी नौकरी ढूंढने में अपना अधिक समय बर्बाद कर देता है। जबकि कम पढ़ा लिखा युवा सरकारी नौकरी के चक्कर से अपने आप को दूर रखते हुए जो भी रोजगार के अवसर उसे प्राप्त होता है उसे स्वीकार कर लेता है। केरल, पंजाब एवं गोवा राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में सरकारी नीतियां ही इसके लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। जबकि, गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित हो रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में वातावरण व्यापार एवं उद्योगों के लिए सहायक है। उक्त कारणों के चलते ही भारत का पश्चिमी एवं दक्षिणी भाग, उत्तरी एवं पूर्वी भाग की तुलना में अधिक तेजी से विकास कर रहा है। भारत की कुल जनसंख्या में से लगभग 60 प्रतिशत नागरिक ही श्रम के रूप में अपनी भागीदारी प्रदान कर रहे हैं जबकि वियतनाम में 70 प्रतिशत, बांग्लादेश में 67 प्रतिशत है। अर्थात, जितने अधिक नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होगा देश के आर्थिक विकास में नागरिकों की भागीदारी उतनी अधिक होगी। हर्ष का विषय है कि भारत के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की श्रम में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। भारत में वर्ष 2011 से वर्ष 2023 के बीच 49.6 करोड़ नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सका है एवं रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं यथा, प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण स्वच्छ भारत मिशन, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना, जल जीवन मिशन, दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना, आदि के सफल क्रियान्वयन से यह सम्भव हो सका है। वित्तीय समावेशन की सफलता ने भी इतनी बड़ी संख्या में गरीब नागरिकों को गरीबी रेखा के ऊपर लाए जाने ने अपना योगदान प्रदान किया है। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने भी इस संदर्भ में गरीब वर्ग की बहुत मदद की है क्योंकि केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता राशि अब सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा की जा रही है जिससे इस क्षेत्र में होने वाले भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सकी है। भारत में आज, पिछले 12 वर्ष पूर्व की तुलना में, अधिक शांति दिखाई देती है। देश में नागरिकों के बीच अशांति एवं दंगे आदि जैसी कुरीतियां कम हुई हैं। इन परिस्थितियों ने भारत में आर्थिक विकास की दर को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। पूरे विश्व में भारत आज सबसे अधिक शांति प्रिय देश माना जा रहा है। इसी का परिणाम है कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार, इस वर्ष भारत में धन तेरस के पावन पर्व पर कुल 1.2 लाख करोड़ रुपए का व्यापार सम्भव हो सका है। देश में एक दिन में ही 50 टन सोने का व्यापार हुआ है। 20,000 करोड़ रुपए की चांदी खरीदी गई है। सोना-चांदी मिलाकर 66,000 करोड़ रुपए की खरीदारी की गई है। एक दिन में ही 5 लाख स्कूटर बिके हैं एवं लगभग एक लाख कारें बिकीं हैं। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष धन तेरस के दिन 20 प्रतिशत अधिक व्यापार हुआ है। दिवाली के पूरे मौसम में इस वर्ष कुल 6 लाख रुपए से 7 लाख करोड़ रुपए के बीच व्यापार होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत में छोटे छोटे अंतराल के बाद एक ऐसा त्यौहार मनाया जाता है जिसके चलते अर्थव्यवस्था में गति आ जाती है। जैसे, त्यौहारों का मौसम नवरात्रि से प्रारम्भ होता है, फिर दीपावली आती है इसके बाद होली आती है, प्रत्येक 3 माह के बाद कोई न कोई बड़ा त्यौहार आता है। इसी कारण से भारतीय अर्थव्यवस्था को त्यौहारी अर्थव्यवस्था का नाम भी दिया जाता है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता है। धार्मिक पर्यटन उद्योग भी भारत में तेजी से आगे बढ़ रहा है जो अंततः भारतीय अर्थव्यवस्था को बल दे रहा है। कुछ विशिष्ट नगरों में निर्मित बड़े-बड़े मंदिर उस नगर की पूरी अर्थव्यवस्था को सम्हाल रहे हैं जिससे रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं गरीब नागरिकों की संख्या में लगातार कमी हो रही है।

संपादकीय

आत्मघाती हरकतें

जैसा कि पहले से ही डर भी था दिवाली के बाद देश की राजधानी ही नहीं, दिल्ली से लगते हरियाणा- उत्तर प्रदेश स्थित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों में शहरों के गैस चैंबर बनने की खबरें मीडिया में आई हैं। जिसमें सत्ताधीशों की काहिली और नागरिकों के गैर-जिम्मेदार व्यवहार की बराबर की भूमिका रही है। जब वायु प्रदूषण की बात होती है तो सिर्फ दिल्ली की बात होती है, जबकि शेष देश में भी स्थिति कमोबेश ऐसी ही है। हमारा गैर जिम्मेदार व्यवहार केवल दिवाली के समय ही नजर नहीं आता, हम चुनाव के दौरान भी स्वास्थ्य से जुड़े गंभीर मसलों को मुद्दा बनाने की कोशिश नहीं करते। सर्दियों की शुरुआत में मौसमी बदलाव, हवा के प्रवाह में कमी, बढ़ते वाहनों का प्रदूषण, निर्माण कार्य में धूल को लेकर लापरवाही व उद्योगों द्वारा पैदा प्रदूषण मिलकर स्थिति को जानलेवा बना देते हैं। एक बार फिर साबित हुआ कि सत्ताधीश जहरीली हवा से अपने नागरिकों को बचाने में नाकाम रहे हैं। अब तो सवाल प्रदूषण को लेकर सामने आने वाले आंकड़ों की हकीकत को लेकर भी उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि पिछले पांच सालों में इस बार सबसे ज्यादा प्रदूषित दिवाली रही है। लेकिन वास्तविक आंकड़े सामने नहीं आए हैं। कहा गया कि प्रदूषण के चरम समय के दौरान दिल्ली के बीस से अधिक मॉनिटरिंग स्टेशनों से डेटा भेजना बंद कर दिया गया। जिससे सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता को लेकर भी सवाल उठे हैं। बताया गया कि प्रदूषण मापने वाले काफी स्टेशन काम नहीं कर रहे थे। ऐसे में जब लाखों लोग अपने सेहत को लेकर इन आंकड़ों पर निर्भर रहते हैं, तो सरकारी-निजी प्लेटफॉर्मों के आंकड़ों के अंतर ने जनता के संदेह को गहरा किया है। इसकी जवाबदेही के लिए जांच जरूरी है। विडंबना यह है कि इस आपात स्थिति में राजनीतिक दल बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं। फलतः इस जहरीली हवा में लोगों का दम घुटता है।

एक ओर जहां 'आप' दिल्ली की भाजपा सरकार पर नियमों को ठीक से लागू न करने व प्रदूषण आंकड़ों में हेराफेरी का आरोप लगा रही है। वहीं भाजपा 'आप' शासित पंजाब में पराली जलाने को प्रदूषण का कारण बता रही है। तात्कालिक कारकों को नजरअंदाज कर भी दें, लेकिन वाहनों, उद्योगों और कृषि से होने वाले उत्सर्जन की पारदर्शी-नियमित निगरानी जरूरी है। प्रशासन स्वास्थ्य से जुड़ी सलाहों को प्रभावी बनाए ताकि बच्चों-बुजुर्गों और श्वसनतंत्र से जुड़े रोगों से जूझ रहे लोगों को राहत मिले । सालों से हम राजनीतिक नौटंकी, बहानेबाजी व कामचलाऊ उपायों को देख रहे हैं। लेकिन मिलजुलकर ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। आखिर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बावजूद प्रशासनिक तंत्र क्यों नहीं जागता? नागरिक भी पर्यावरण रक्षा के लिये अपनी हिस्से की जिम्मेदारी क्यों नहीं निभाते? बेहतर हो कि हम पर्व पर पटाखे प्रतीकात्मक रूप में ही जलायें। किसी उत्सव को मनाने के तौर-तरीके समाज ही बनाता है। जिसमें समय-हालात के हिसाब से बदलाव भी होता है। लेकिन हम आतिशी जिद में अपने व लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। विदेशों में भारत की छवि खराब कर रहे हैं। फिर यह आत्मघाती कवायद क्यों? चिकित्सा विशेषज्ञ बताते हैं कि यदि एक्यूआई तीन सौ होता है तो हमारी उम्र साढ़े तीन साल तक घट सकती है। जिन बच्चों के फेफड़े विकसित हो रहे हैं और बुजुर्गों के लिये यह स्थिति चिंताजनक है। सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों और कमजोर फेफड़ों वाले मरीजों के लिये यह स्थिति बेहद घातक हो जाती है। सरकारों की तरफ से स्पष्ट गाइडलाइन्स होनी चाहिए कि ऐसे में लोगों को क्या करना चाहिए, कहां रहना चाहिए, बाहर निकलने पर कौन सा मास्क पहनना चाहिए। लेकिन ध्यान रहे मास्क या प्यूरीफायर भी बेहद खराब स्थिति में काम नहीं करते। यही वजह है कि सांस व फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों वाले मरीजों की संख्या ओपीडी में तेजी से बढ़ रही है। शिकागो यूनिवर्सिटी के ईपीआईसी के शोधकर्ताओं ने चेताया है कि भारत में प्रदूषण के कारण लोगों की उम्र नौ साल तक घट सकती है। सही मायने में सरकार ही नहीं, हर व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिये अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

सूक्ति

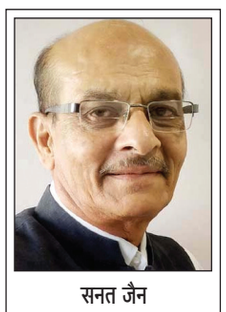
स्वतंत्र वही हो सकता है जो अपना काम अपने आप कर लेता है।
– विनोबा भावे
समय और बुद्धि बड़े से बड़े शोक को भी कम कर देते हैं।
– कहावत

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

संविधान से ऊपर कोई नहीं, नियम और कानून चुनाव आयोग पर भी लागू



सनत जैन

लोकतंत्र में चुनाव आयोग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील होती है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराना उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। चुनाव आयोग को यह अधिकार इसलिए दिया गया है, वह सरकार, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के दबाव से मुक्त रहकर चुनाव प्रक्रिया संचालित करे। जब कोई संवैधानिक संस्था अपनी शक्तियों की सीमाओं को भूलकर स्वयं ही नियम बनाने, बदलने और लागू करने लगे, तब उसके अधिकारों और जवाबदेही पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अगले वर्ष पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के पहले केंद्रीय चुनाव आयोग ने गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्य सचिवों तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के आचार संहिता नियमों में परिवर्तन किया है। नियमों में जो परिवर्तन किया गया है, उसका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गये हैं। सेवानिवृत्ति के बाद दोबारा नियुक्त सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के राजनीतिक दलों अथवा उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार करने तथा चुनाव अधिकारियों के साथ बैठकों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भाग लेने पर रोक लगाई गई है। इस आदेश ने एक नई संवैधानिक बहस तेजी से शुरू कर दी है। सरकार के विभिन्न विभागों, आयोगों और संस्थानों में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को दोबारा नियुक्त किया जाता है। इस सरकार में सेवानिवृत्ति के बाद सबसे ज्यादा कर्मचारियों की फौज है। सेवानिवृत्ति के बाद उनकी राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों पर कौन-सी कानूनी पाबंदियां लागू होंगी, यह संबंधित सेवा नियमों और कानूनों से निर्धारित होता है। चुनाव आयोग चुनाव की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए निर्देश अवश्य दे सकता है, क्या उसे मौजूदा कानूनों और सेवा नियमों से आगे जाकर नई पाबंदियां लगाने का अधिकार है? इसको लेकर नया बवाल शुरू हो गया है।

संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत चुनाव आयोग को चुनावों के संचालन और नियंत्रण की जिम्मेदारी दी गई है। इसका अर्थ यह नहीं है, आयोग संसद द्वारा बनाए गए कानूनों और संविधान की सीमाओं से स्वतंत्र होकर मनमाने तरीके से काम का अधिकार रखता है। चुनाव आयोग की शक्तियां भी संवैधानिक और कानूनी मर्यादाओं के अधीन हैं। यदि किसी नए प्रतिबंध के लिए कानून या नियम में संशोधन आवश्यक है, तो निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन चुनाव आयोग द्वारा किया जाना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में चुनाव प्रक्रिया, निर्वाचन अधिकारियों के अधिकारों, चुनावी आंकड़ों और आयोग के पोर्टल तथा सॉफ्टवेयर के संचालन को लेकर भी अनेक सवाल उठे हैं। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग व्यवस्थाओं और नियमों को लेकर पारदर्शिता की मांग सभी राजनीतिक दलों द्वारा की जा रही है। ऐसे समय में आयोग की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। वह प्रत्येक निर्णय का कानूनी आधार सार्वजनिक करे, उठाए गए सवालों का तथ्यों के साथ जवाब दे। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता लोकतंत्र की ताकत है। स्वतंत्रता का अर्थ जवाबदेही से मुक्ति नहीं है। यदि किसी संवैधानिक संस्था के निर्णयों की समीक्षा और उनके औचित्य पर सवाल उठने लगे तो लोकतंत्र की व्यवस्था कमजोर होना तय है। लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कम या खत्म होने लगता है।

आज सबसे बड़ा सवाल यही है, चुनाव आयोग को नियमों का पालन कराने वाली संस्था बने रहना है, या स्वयं नियमों से ऊपर समझने वाली संस्था बनना है। गणेश भगवान की तरह प्रथम पूजनीय होने का अर्थ यह नहीं है, कोई संस्था संविधान से ऊपर जाकर अपनी पूजा कराने लगे। लोकतंत्र में संसद, न्यायपालिका, कार्यपालिका और चुनाव आयोग सभी की अपनी-अपनी संवैधानिक सीमाएं हैं। इन सीमाओं का सम्मान, एवं जवाबदेही लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है। चुनाव आयोग को अपने प्रत्येक आदेश का कानूनी आधार लागू करने के पहले स्पष्ट करना चाहिए। राजनीतिक दलों, सरकार और आम जनता को हर फैसले में विश्वास में लिए जाने की जरूरत है। निष्पक्ष चुनाव केवल मतदान कराने से सुनिश्चित नहीं होते, बल्कि निष्पक्षता, पारदर्शिता, समान नियम और जवाबदेही से सुनिश्चित होते हैं। चुनाव में सभी पक्षों का विश्वास चुनाव आयोग के ऊपर हो। संविधान सर्वोच्च है और उसकी मर्यादा का पालन करना चुनाव आयोग सहित प्रत्येक संवैधानिक संस्था की अनिवार्य जिम्मेदारी है। आश्चर्य होता है कि इतने बड़े विवाद के बाद भी चुनाव आयोग अभी भी अपनी मन मर्जी से नियम, कानून और संविधान की अनदेखी करके मनमाने निर्णय ले रहा है। चुनाव आयोग के कारण अब न्यायपालिका से भी लोगों का विश्वास घटने लगा है। चुनाव आयोग ने अभी शपथ पत्र के जरिए जो जवाब दिया है वह अपने आप में विरोधाभासी है, जिसके कारण न्यायपालिका की छवि भी प्रभावित हो रही है।

जलवायु संकट का असली चेहरा : किसकी जिंदगी, किसकी आजीविका?



कुमार कृष्णन

जलवायु परिवर्तन की सबसे भयावह तस्वीर केवल पिघलते हिमखंडों, सूखती नदियों या जंगलों में लगी आग में नहीं दिखती। वह उस मजदूर के शरीर पर भी दर्ज होती है, जो दोपहर की झुलसाती धूप में काम करने को मजबूर है; उस किसान की चिंता में भी, जिसकी फसल मौसम की अनिश्चितता से जूझ रही है; और उस बुजुर्ग की सांसों में भी, जिसके लिए बढ़ती गर्मी अब महज असुविधा नहीं, जानलेवा खतरा बनती जा रही है। धरती का बढ़ता तापमान अब केवल पर्यावरण का सवाल नहीं है। यह स्वास्थ्य, रोजगार, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक न्याय का संकट है। असली सवाल है कि गर्म होती धरती पर सबसे पहले किसका जीवन और किसकी आजीविका संकट में पड़ रही है?

तुर्किये के अंताल्या में 9 से 20 नवंबर 2026 तक आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप-31 इसी सवाल की कसौटी है। दुनिया के देश इस सम्मेलन में उत्सर्जन में कटौती, जलवायु अनुकूलन, वित्तीय सहायता और तकनीकी सहयोग पर विचार कर रहे हैं। जलवायु अनुकूल शहर, खाद्य सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और आपदाओं का सामना करने में सक्षम स्वास्थ्य प्रणालियां भी इसकी प्राथमिकताओं में हैं। लेकिन इस वैश्विक विमर्श की सबसे बड़ी चुनौती है कि जलवायु परिवर्तन से प्रभावित आम लोगों की जिंदगी को नीतियों और समझौतों के केंद्र में कैसे लाया जाए।

कॉप-31 में भारत का उद्घाटन वक्तव्य इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत ने जलवायु बहुपक्षवाद और समानता तथा साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों एवं संबंधित क्षमताओं यानी सीबीडीआर-आरसी के सिद्धांत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव नरेंद्र भूषण ने भारत का पक्ष रखते हुए निष्पक्ष, न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी परिणाम का आह्वान किया। भारत ने जी-77 और चीन, एलएमडीसी तथा बेसिक समूहों के वक्तव्यों के साथ अपनी सहमति जताई। उसने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय और पेरिस समझौते को ऐसा समावेशी मंच बताया, जहां प्रत्येक देश की आवाज सुनी जा सकती है।

भारत ने सम्मेलन की अध्यक्षता के लिए तुर्किये और ऑस्ट्रेलिया के प्रयासों की सराहना करते हुए संवाद, आम सहमति और कार्रवाई पर आधारित कार्यान्वयन-केंद्रित दृष्टिकोण का स्वागत किया। यह दृष्टिकोण इसलिए महत्वपूर्ण है कि जलवायु वार्ताओं में घोषणाओं और जमीन पर वास्तविक कार्रवाई के बीच अक्सर लंबी दूरी दिखाई देती है। संवाद से विश्वास पैदा होता है, आम सहमति से सामूहिक जिम्मेदारी तय होती है और कार्रवाई से वादे वास्तविक प्रगति में बदलते हैं। लेकिन इनकी सार्थकता तभी है, जब जलवायु संकट का सामना कर रहे कमजोर समुदायों तक उसका लाभ पहुंचे।

वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य गंभीर दबाव में है। इसके पार जाने की आशंका केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत नहीं है। इससे गर्मी, सूखा, बाढ़ और चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ेगा। ऐसे में समानता का महत्व और बढ़ जाता है। जिन देशों का ऐतिहासिक उत्सर्जन में योगदान अपेक्षाकृत कम रहा है, वे अक्सर जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणाम झेल रहे हैं। इसलिए सभी देशों से समान प्रकार की जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा न्यायसंगत नहीं हो सकती। जलवायु न्याय का तकाजा है कि जिम्मेदारियों का निर्धारण ऐतिहासिक उत्सर्जन, आर्थिक क्षमता और विकास संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखकर हो।

लैंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट संकट की मानवीय कीमत सामने रखती है। इसके अनुसार, 2016 से 2025 के दौरान गर्मी से संबंधित वार्षिक मौतों में लगभग 36 प्रतिशत वृद्धि हुई। वर्ष 2023 में दुनिया भर में गर्मी से जुड़ी करीब 7.1 लाख मौतों का अनुमान लगाया गया, जिनमें 70 प्रतिशत से अधिक मौतें मानवजनित जलवायु परिवर्तन से बढ़े तापमान से जुड़ी थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में दुनिया की 60.7 प्रतिशत भूमि पर कम-से-कम एक महीने तक अत्यधिक सूखे की स्थिति रही। यह 1951-1960 के औसत से 299 प्रतिशत अधिक थी। सूखा केवल पानी की कमी नहीं पैदा करता, बल्कि खेती, पेयजल, पोषण और ग्रामीण आजीविका को भी प्रभावित करता है।

भारत में इस संकट की आर्थिक और सामाजिक कीमत विशेष रूप से गंभीर है। लैंसेट काउंटडाउन की 2025 की भारत-विशिष्ट रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में अत्यधिक गर्मी के कारण देश में 247 अरब संभावित श्रम घंटे नष्ट हुए। इनमें लगभग दो-तिहाई नुकसान कृषि क्षेत्र और करीब पांचवां हिस्सा निर्माण क्षेत्र से जुड़ा था। गर्मी के कारण काम करने की क्षमता में आई कमी से संभावित आय का नुकसान 194 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया। यह वास्तविक वेतन कटौती नहीं, बल्कि प्रभावित श्रम क्षमता की अनुमानित आर्थिक कीमत है। फिर भी यह आंकड़ा बताता है कि गर्मी का संकट अर्थव्यवस्था के सबसे कमजोर श्रम समूहों को किस हद तक प्रभावित कर रहा है।

इन आंकड़ों के पीछे उन परिवारों की कहानी है, जिनकी आमदनी घटती है, बचत इलाज में खर्च होती है और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। दिहाड़ी मजदूर के लिए तेज गर्मी में काम रोकना आसान नहीं है। काम छोड़े तो कमाई बंद, जारी रखे तो निर्जलीकरण, लू और तापाघात का खतरा। उसके सामने कई बार स्वास्थ्य और भूख के बीच चुनाव करने की मजबूरी होती है। वातानुकूलित दफ्तर में काम करने वाले व्यक्ति और खुले आसमान के नीचे सड़क बनाने वाले मजदूर के लिए एक ही तापमान का अर्थ अलग-अलग है। रिक्शा चालक, रेहड़ी-पटरी विक्रेता, निर्माण मजदूर और खेतिहर श्रमिकों के पास गर्मी से बचने के पर्याप्त साधन नहीं होते। जलवायु संकट पहले से मौजूद आर्थिक असमानता को और गहरा करता है।

बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों के लिए अत्यधिक गर्मी विशेष खतरा पैदा करती है। लैंसेट काउंटडाउन के अनुसार, 2021 से 2025 के दौरान भारत में 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मौतों का वार्षिक आर्थिक मूल्य 33.8 अरब डॉलर आंका गया। यह 2000-2004 की तुलना में 205 प्रतिशत अधिक था। जीवन और मानवीय पीड़ा को आर्थिक मूल्य में पूरी तरह नहीं आंका जा सकता, लेकिन ये आंकड़े स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने खड़ी चुनौती का पैमाना जरूर बताते हैं।

जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण का संबंध भी गंभीर है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के इस्तेमाल से हरितगृह गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है और वायु प्रदूषण भी पैदा होता है। इसका असर सांस संबंधी बीमारियों और हृदय रोगों के रूप में सामने आता है। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव केवल जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने का उपाय नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरत भी है। हालांकि ऊर्जा परिवर्तन की कीमत गरीब और विकासशील देशों पर डालना उचित नहीं होगा। उन्हें आवश्यक वित्तीय और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराना विकसित देशों की जिम्मेदारी है। भारत ने कॉप-31 में जलवायु वित्त के इसी पक्ष को प्रमुखता दी है। उसका कहना है कि विकासशील देशों में जलवायु कार्रवाई को बढ़ावा देने और उनकी कमजोरियों को दूर करने के लिए विकसित देशों से मिलने वाला सार्वजनिक वित्त केंद्रीय भूमिका निभाता है। पेरिस समझौते का अनुच्छेद 9.1 विकसित देशों पर यह दायित्व निर्धारित करता है कि वे विकासशील देशों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराएं। यह प्रावधान महज कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जलवायु न्याय की बुनियादी शर्त है। अनुकूलन, आपदा प्रबंधन, स्वच्छ ऊर्जा और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए विकासशील देशों को पर्याप्त, सुलभ और पूर्वानुमेय वित्त की जरूरत है।

अमरोहा
गुरुवार 12 नवम्बर 2026
www.sabkasapna.com

संभल

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

भाई दूज भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और भाई की दीर्घायु की प्रार्थना का पर्व है: अजय शर्मा





संभल (सब का सपना):- हिंदू जागृति मंच की ऑनलाइन बैठक में भाई दूज पर्व का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व बताया गया। मंच के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने कहा कि भाई दूज भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और भाई की लंबी उम्र की कामना का प्रतीक है। संसार में भाई-बहन का रिश्ता अत्यंत पवित्र होता है। बहन अपने भाई के साथ स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करती है।

अजय कुमार शर्मा ने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज मनाई जाती है। इस दिन बहन अपने भाई के मस्तक पर तिलक लगाकर उसकी दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना करती है। मान्यता है कि बहन के तिलक से भाई की आयु के साथ विद्या यश और बल में वृद्धि होती है। इस तिथि को यम द्वितीया भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भाई-बहन के यमुना नदी में एक साथ स्नान करने से यमराज के भय से मुक्ति मिलती है।

उन्होंने संभल के यम तीर्थ का महत्व बताते हुए कहा कि संभल के 68 तीर्थों में यम तीर्थ का विशेष स्थान है। भाई-बहन यहां एक साथ दर्शन पूजन और स्नान करें तो यमुना स्नान के समान पुण्य प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि भाई दूज पर यम तीर्थ में संभल की फेरी पूजन सामूहिक आरती सत्संग और कीर्तन की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है।

बैठक में मुरादाबाद बिलारी बदायूं बरेली अमरोहा और मेरठ सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हिंदू जागृति मंच के कार्यकर्ताओं ने पर्व का महत्व जाना और संभल के यम तीर्थ की धार्मिक महत्ता का प्रचार-प्रसार करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर अजय कुमार शर्मा की बहन मिथिलेश शर्मा सर्वेश शर्मा प्रवेश शर्मा और मीनू रस्तोगी ने परिवार के साथ भाई दूज का पर्व मनाया। बहनों ने अजय शर्मा की पत्नी सुमन शर्मा बेटे आदित्य शर्मा और ऋतिक शर्मा पुत्रवधू निधि शर्मा तथा पौत्र कौटिल्य शर्मा की मौजूदगी में रोली और चावल से मंत्रोच्चारण के साथ तिलक किया। इसके बाद मिष्ठान खिलाकर उपहारों का आदान-प्रदान किया गया। बहनों ने चरण स्पर्श कर भाई की दीर्घायु और सुखमय जीवन के लिए परमात्मा से प्रार्थना की। इसके बाद पूरे शर्मा परिवार और बहनों के परिवार ने एक साथ संभल के यम तीर्थ पहुंचकर दर्शन पूजन और आरती की।

जिला कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती





संभल (सब का सपना):- जिला कांग्रेस कार्यालय चंदौसी रोड पर भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री और महान स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मौलाना आजाद के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर किया गया। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उनके जीवन संघर्ष और देश के प्रति योगदान को याद किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जिला कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ तुर्की ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं बल्कि ज्ञान एकता और इंसानियत के प्रतीक थे। उन्होंने कम उम्र में ही देश की आजादी के आंदोलन में भाग लेना शुरू कर दिया था। अपनी लेखनी विचारों और ओजस्वी भाषणों के माध्यम से उन्होंने लोगों में राष्ट्रीय चेतना जगाने का काम किया। उन्होंने कहा कि मौलाना आजाद हमेशा हिंदू-मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे के पक्षधर रहे। उनका मानना था कि भारत की मजबूती सभी धर्मों और समुदायों के लोगों के एकजुट होकर रहने में है। उन्होंने शिक्षा को देश की सबसे बड़ी ताकत बताया। आजादी के बाद देश के प्रथम शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने शिक्षा के विस्तार और स्कूल कॉलेज विश्वविद्यालय तथा तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए।आरिफ तुर्की ने कहा कि मौलाना आजाद का जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने सादगी सच्चाई और देशभक्ति को अपने जीवन में अपनाया। आज जरूरत है कि उनके विचारों को आत्मसात कर शिक्षा भाईचारे और राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया जाए।अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष आरिफ खान तनवीर ने कहा कि वर्तमान समय में मौलाना आजाद के विचारों की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। समाज में नफरत और भेदभाव को समाप्त करने के लिए उनके बताए एकता और भाईचारे के रास्ते पर चलना जरूरी है। उन्होंने कार्यकताओं से मौलाना आजाद के विचारों और शिक्षा के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों ने भी मौलाना आजाद के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान और कांग्रेस के साथ उनके जुड़ाव पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए जीवनभर प्रयास किया। उपस्थित सभी लोगों ने मौलाना आजाद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।इस अवसर पर सलमान तुर्की फुरकान कुरैशी तहसीन मल्ला अंजार मंसूरी सलाउद्दीन सैफी राशिद सैफी राहत जान खां टबन खान नन्ने इरशाद नेता मुशर्रफ अली अंजार जीशान नोमान हैदर मुजीब जमाल बिलाल और अदनान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में सभी का आभार व्यक्त किया गया।

रोटावेटर की चपेट में आने से 18 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत

गेहूं की जुताई के दौरान हुआ हादसा, चार भाइयों में सबसे बड़ा था मृतक,परिवार में मचा कोहराम





चंदौसी/संभल (सब का सपना):- जनपद के चन्दौसी कोतवाली क्षेत्र के गांव सैंजनी में बुधवार सुबह गेहूं की जुताई के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रैक्टर में लगे रोटावेटर की चपेट में आने से 18 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। युवक की असामयिक मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार गांव सैंजनी निवासी राधेश्याम का 18 वर्षीय बेटा हरीश कुमार उर्फ बाबू चार भाइयों में सबसे बड़ा था। वह हाईस्कूल का छात्र था। बुधवार सुबह हरीश अपने फुफेरे भाई सोमवीर पुत्र भगवान दास के खेत में गेहूं की जुताई कराने गया था। खेत में ट्रैक्टर से जुताई का काम चल रहा था। इसी दौरान हरीश रोटावेटर की जांच करने लगा। बताया जाता है कि जांच करते समय अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह चलते हुए रोटावेटर के ऊपर गिर पड़ा। रोटावेटर की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद खेत में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। युवक का शव देखकर परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। कुछ ही देर में घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। हर कोई इस दर्दनाक हादसे से स्तब्ध नजर आया। सूचना मिलने पर चन्दौसी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संत कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाद में शव का दाह संस्कार कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक संत कुमार ने बताया कि मामले में अभी तक कोई प्रार्थना पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। यदि परिजनों की ओर से प्रार्थना पत्र दिया जाता है तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बताया गया कि हरीश अपने चार भाइयों में सबसे बड़ा था। उसकी बहन क्रांति और तीन छोटे भाई राहुल, आरव व नीरज हैं। परिवार को हरीश से काफी उम्मीदें थीं और वह पढ़ाई कर अपने परिवार का सहारा बनना चाहता था। अचानक हुए इस हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। मां रूपवती सहित परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है।

हज 2027 की दूसरी किस्त जमा करने की अंतिम तारीख 30 नवंबर निर्धारित

प्रति हज यात्री 1.25 लाख रुपये करने होंगे जमा, बैंक और ऑनलाइन भुगतान की सुविधा उपलब्ध



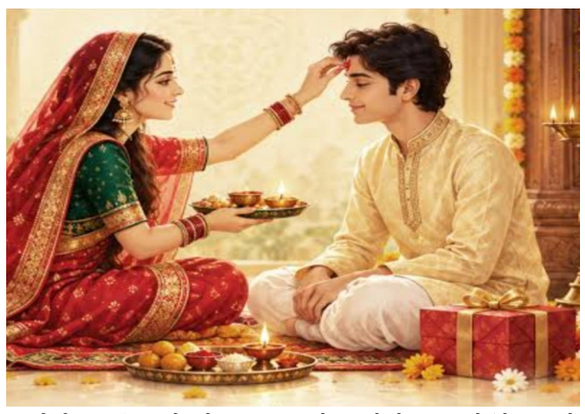
सम्भल (सब का सपना):- हज 2027 पर जाने की तैयारी कर रहे आजमीन-ए-हज के लिए दूसरी किस्त जमा करने की तारीख निर्धारित कर दी गई है। हज कमेटी की ओर से जारी निदेर्शों के अनुसार सभी हज यात्रियों को अपनी दूसरी किस्त 30 नवंबर तक हर हाल में जमा करनी होगी। प्रति हज यात्री 1 लाख 25 हजार रुपये की धनराशि जमा करनी है। ऐसे में एक यात्री को 1,25,000 रुपये, दो यात्रियों को 2,50,000 रुपये, तीन यात्रियों को 3,75,000 रुपये, चार यात्रियों को 5,00,000 रुपये तथा पांच यात्रियों को 6,25,000 रुपये जमा करने होंगे।

हज की दूसरी किस्त जमा करने के लिए आजमीन-ए-हज को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में से किसी भी एक बैंक में कैश जमा करने की सुविधा दी गई है। नकद धनराशि जमा करने के लिए हज कमेटी की वेबसाइट से भुगतान फॉर्म डाउनलोड कर उसे सही तरीके से भरकर बैंक ले जाना होगा। बैंक में अलग से कोई डिपॉजिट स्लिप उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। इसके अलावा ऑनलाइन भुगतान का विकल्प भी दिया गया है। जिसके माध्यम से नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और नेफ्ट के जरिए किस्त जमा की जा सकती है। हज ई-सुविधा केंद्र से जुड़े लोगों ने आजमीन-ए-हज से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा का विशेष ध्यान रखें और 30 नवंबर से पहले अपनी दूसरी किस्त जमा कर दें। साथ ही हज की धनराशि बैंक में जाकर स्वयं अपने हाथों से हज कमेटी के खाते में जमा करें। किसी भी अनजान या दूसरे व्यक्ति को अपनी धनराशि न दें, ताकि किसी प्रकार की धोखाधड़ी से बचा जा सके।

उन्होंने बताया कि हज किस्त जमा करने या अन्य किसी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने में परेशानी होने पर हज कमेटी द्वारा गठित हज ई-सुविधा केंद्र मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम, तेल मंडी सम्भल में संपर्क किया जा सकता है। यहां हज ट्रेनर कारी वसी अशरफ, अब्दुल खालिक, हाजी नदीम, मुहम्मद अहमद रजा और तकी अशरफ एडवोकेट से संपर्क कर आजमीन-ए-हज अपनी समस्याओं का समाधान और आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

धूमधाम से मनाया गया भैया दूज का पर्व, भाई-बहन के प्रेम का दिखा अनूठा संगम

बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर की दीर्घायु की कामना, भाइयों ने उपहार देकर निभाया स्नेह का रिश्ता



बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद में बुधवार को भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक भैया दूज का त्योहार हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में त्योहार को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनके प्रति अपना प्यार और सम्मान प्रकट किया।

भैया दूज के अवसर पर सुबह से ही बहनें घरों में पूजा की तैयारियों में जुट गईं। स्नान आदि के बाद बहनों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और शुभ मुहूर्त में भाइयों को तिलक लगाकर मिठाई खिलाई। इसके बाद भाइयों ने अपनी बहनों को उपहार और शगुन देकर उनके सुखी जीवन की कामना की। जिन बहनों के भाई दूसरे शहरों में रहते हैं, उन्होंने भी अपने भाइयों से मिलने के लिए घर पहुंचकर त्योहार की खुशियां साझा कीं।

त्योहार को लेकर बहजोई के बाजारों में भी चहल-पहल दिखाई दी। मिठाई की दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ लगी रही। लोगों ने अपनी पसंद की मिठाइयां खरीदीं। वहीं बाजारों में फल, उपहार और अन्य जरूरी सामान की दुकानों पर भी रौनक बनी रही। बहनों और भाइयों में त्योहार को लेकर खासा उत्साह नजर आया।

भैया दूज के चलते घरों में पकवान और मिठाइयां भी बनाई गईं। परिवार के सभी सदस्यों ने एक साथ बैठकर त्योहार की खुशियां मनाईं। इस अवसर पर भाई-बहनों ने पुराने दिनों की यादें ताजा कीं और एक-दूसरे के साथ समय बिताया। दूर-दराज रहने वाले भाई-बहनों ने फोन के माध्यम से भी एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

मान्यता है कि भैया दूज का पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और मजबूत बनाता है। यह त्योहार प्रेम, विश्वास, त्याग और आपसी सहयोग का संदेश देता है। पूरे बहजोई क्षेत्र में भैया दूज का पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया।

मिशन शक्ति अभियान से महिलाओं में जगाया सुरक्षा का विश्वास



संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के तहत बुधवार को जनपद सम्भल में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों में स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों ने थाना क्षेत्रों में चौपाल आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और महिला संबंधी शिकायतों के निस्तारण के संबंध में जानकारी दी। साथ ही महिलाओं को किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर बिना डर और संकोच के पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। पुलिस लगातार महिलाओं के संपर्क में रहकर उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास कर रही है। वहीं मिशन शक्ति फेज-6.0 के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीमों द्वारा भी प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने छात्राओं, महिलाओं और बालिकाओं को शासन एवं पुलिस विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या अन्य परेशानी होने पर तत्काल संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर सूचना दें।

पुलिस टीमों ने महिलाओं और बालिकाओं को वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एंबुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही मोबाइल में इमरजेंसी कॉल और पैनिक बटन के इस्तेमाल का डेमो देकर भी जानकारी दी गई।

अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने हेल्पलाइन नंबरों से संबंधित पंपलेट वितरित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया। पुलिस ने साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया का सुरक्षित इस्तेमाल और किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ निजी जानकारी साझा न करने की सलाह भी दी। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा उनमें सुरक्षा का विश्वास पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस विभाग का उद्देश्य है कि महिलाएं बिना किसी भय के शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी कर सकें तथा आत्मनिर्भर बनकर समाज में अपनी मजबूत पहचान स्थापित करें।

फरार शारिक साठा और आमिर के घर ढोल बजाकर मुनादी, पुलिस ने चस्पा किया नोटिस

संभल। हिंसा के मामले में फरार चल रहे शारिक उर्फ साठा और उसके सहयोगी व भतीजे आमिर गुफ्फा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पुलिस ने सोमवार को दोनों के घर पहुंचकर ढोल बजवाकर मुनादी कराई। न्यायालय से जारी उद्घोषणा आदेश पढ़कर सुनाए और घरों पर नोटिस चस्पा किए। माइक से एलान कर लोगों से दोनों के बारे में जानकारी देने की अपील की गई। पुलिस ने कहा कि सूचना देने वाले का नाम और पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय वाहन चोर और जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की हत्या के आरोपित शारिक उर्फ साठा निवासी पजाया दीपा सराय वांछित चल रहा है। उसके खिलाफ 26 नवंबर 2024 को कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 338/2024, 339/2024, 340/2024 और 306/2024 दर्ज हुए थे।

चल रहा है फरार

इन मुकदमों में बीएनएस की धारा 103(1) और 61(2) के तहत



कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी के लिए न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद भी वह पेश नहीं हुआ। इसके चलते न्यायालय ने उसके खिलाफ उद्घोषणा आदेश जारी किया। वहीं, उसका सहयोगी और भतीजा आमिर गुफ्फा निवासी ठंडी कोठी, दीपा सराय भी फरार चल रहा है।उसके घर पर भी न्यायालय से जारी धारा 84 बीएनएसएस का नोटिस चस्पा किया गया। पुलिस ने मुनादी के दौरान माइक से दोनों के ठिकाने के संबंध में जानकारी देने की अपील की। मालूम हो कि संभल हिंसा में भूमिका और हिंसा भड़काने के आरोप में हत्या के अलावा शारिक साठा के खिलाफ कोतवाली और नखासा थाने में दो मुकदमे दर्ज हुए थे। इन मामलों में उसके घर की कुर्की की कार्रवाई भी पहले हो चुकी है।

संभल में सर्जरी के दौरान गर्भवती की आंत कटी, डॉक्टर पर लगा 9.25 लाख का जुर्माना

संभल। चंदौसी में सर्जरी के दौरान गर्भवती महिला की आंत कटने के मामले में जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग ने महिला चिकित्सक को लापरवाही का दोषी माना है। आयोग ने चिकित्सक को 4.25 लाख रुपये चिकित्सा खर्च, सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज और पांच हजार रुपये वाद व्यय अदा करने का आदेश दिया है। वहीं, चिकित्सक की बीमा कंपनी को पांच लाख रुपये क्षतिपूर्ति देने के निर्देश दिए हैं। अधिवक्ता पारस वार्ष्णेय ने बताया कि चंदौसी के मुहल्ला हाथीखाना निवासी भावना पत्नी गौरव गुप्ता को 11 फरवरी 2025 को प्रसव पीड़ा हुई थी। स्वजन उन्हें मुंसिफ रोड स्थित मदर एंड चाइल्ड हेल्थ केयर सेंटर ले गए। वहां चिकित्सक स्मिता बंसल ने पहले सामान्य प्रसव होने की बात कही, लेकिन अगले दिन ऑपरेशन करना पड़ा।

12 फरवरी को महिला ने बेटे को जन्म दिया। आरोप है कि सर्जरी के बाद महिला के पेट में तेज दर्द और सूजन बढ़ने लगी। शिकायत करने पर चिकित्सक ने ध्यान नहीं दिया और स्वजन से अभद्र व्यवहार किया। हालत बिगड़ने पर 14 फरवरी को महिला को मुरादाबाद के एशियन विवेकानंद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

वहां दोबारा आपरेशन के दौरान पता चला कि महिला की आंत में तीन सेंटीमीटर का कट लगा है।

18 मार्च 2025 को चिकित्सा खर्च नहीं मिलने पर महिला ने अधिवक्ता के माध्यम से जिला उपभोक्ता प्रतितोष आयोग में परिवाद दायर किया। चिकित्सक ने लापरवाही से इनकार किया, लेकिन 24 अक्टूबर 2026 को आयोग ने डिस्चार्ज समरी के आधार पर उन्हें सेवाओं में कमी का दोषी मानते हुए यह आदेश दिया।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में जनपद अमरोहा प्रदेश के टॉप 03 जिलों में शामिल

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के कुशल नेतृत्व में मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा संचालित उट-डैशबोर्ड पर कानून व्यवस्था से सम्बन्धित मानकों पर आधारित रैंकिंग में उत्तर प्रदेश में जनपद अमरोहा को माह-अक्टूबर 2026 में प्रदेश भर की रैंकिंग में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड द्वारा प्रदेश में कानून व्यवस्था सम्बन्धित पुलिस विभाग के कार्यों की परफॉर्मेंस के आधार पर प्रदेश स्तर पर प्रत्येक माह जनपदों की रैंकिंग जारी की जाती है। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड द्वारा कानून व्यवस्था के संबंध में माह-अक्टूबर 2026 में प्रदेश स्तर पर जारी की गई रैंकिंग में अमरोहा पुलिस को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव द्वारा सीएम डैशबोर्ड सम्बन्धित कार्यों की स्वयं मॉनिटरिंग करते हुए सभी संबंधित को लगातार आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाते रहे हैं।उट-डैशबोर्ड अन्तर्गत पुलिस विभाग की विभिन्न पोर्टलों की प्रचलित सेवाओं में किये गये कार्य प्रदर्शन की समीक्षा कर रैंकिंग की जाती है। पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार के उट-डैशबोर्ड पर विभिन्न सेवाओं में गुणवत्तापूर्ण कार्य करने पर समय-समय पर उच्चाधिकारियों द्वारा समीक्षा कर उट-डैशबोर्ड पोर्टल पर आ रही कमियों को दूर किया गया तथा विभिन्न पोर्टलों पर समयबद्ध कार्यों हेतु समस्त क्षेत्राधिकारी, समस्त थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी, हल्का प्रभारी को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु लगातार प्रोत्साहित किया गया।

शासन के मंशानुरूप इस कठिन परिश्रम, अथक प्रयास से विभिन्न पोर्टलों पर प्रचलित सेवाओं में जनपदीय पुलिस द्वारा पूर्ण मनोयोग से गुणवत्तापूर्ण कार्य किया गया जिसके फलस्वरूप जनपदीय पुलिस को प्रदेश स्तर की रैंकिंग में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। माह-अक्टूबर में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड उत्तर प्रदेश के परियोजनाओं में एससी/एसटी एक्ट में कार्यवाही, गैंगस्टर एक्ट में अपराधियों की गिरफ्तारी, गुंडा एक्ट की कार्यवाही, पॉक्सो एक्ट की कार्यवाही, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु कार्यवाही, आबकारी अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट, गौवध निवारण अधिनियम, शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण, सीसीटीएनएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण व महिला सम्बन्धी अपराधों में कार्यवाही तथा सत्यापन सम्बन्धी कार्यवाही, चरित्र प्रमाण पत्र आदि की कार्यवाही प्रदेश स्तर पर जनपद अमरोहा की सर्वाधिक (शत-प्रतिशत) रही है तथा अमरोहा पुलिस आगे भी प्रत्येक क्षेत्र में इसी तरह से निरंतर कार्य करती रहेगी तथा नागरिक सुरक्षा एवं अपराध/भय मुक्त वातावरण बनाये रखने के लिए कटिबद्ध है।

आबकारी विभाग द्वारा दबिश के दौरान भगवंतपुर के जंगल से लगभग 500 के0जी0 लहन किया गया नष्ट





हापुड़ (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन ,आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, संयुक्त आबकारी आयुक्त,मेरठ जोन, मेरठ के आदेश के क्रम में जिलाधिकारी, हापुड़ के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी, हापुड़ के मार्गदर्शन मे गढ़मुक्तेश्वर के मेले को ध्यान में रखते हुए आबकारी विभाग व हापुड़ पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन पर पूर्णतः अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के क्रम मे बुधवार बीती रात को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 1, हापुड़ पुलिस द्वारा ड्रोन की मदद से गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के अतर्गत भगवंतपुर व इनायतपुर के जंगलों में दबिश दी गई। दबिश के दौरान भगवंतपुर के जंगल से लगभग 500 ˝ लहन नष्ट किया गया। आगे उन्होंने कहा है कि अवैध शराब की रोकथाम हेतु इस प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

भाई दूज पर बहनों ने भाइयों के माथे पर लगाया तिलक



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र में भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक भाई दूज का पर्व बुधवार को हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व को लेकर उत्साह का माहौल रहा। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी लंबी आयु एवं सुख-समृद्धि की कामना की।

बाजारों में भी काफी चहल-पहल देखने को मिली। मिठाई की दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ लगी रही।

बहनों ने भाइयों के लिए मिठाइयां और गोले खरीदे। वहीं, भाइयों ने भी बहनों को उपहार और शगुन देकर पर्व की खुशियां साझा कीं। जिन बहनों के भाई दूसरे शहरों में रहते हैं, उन्होंने फोन और वीडियो कॉल के माध्यम से पर्व की शुभकामनाएं दीं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी भाई दूज को लेकर उत्साह का माहौल रहा। बहनें अपने भाइयों के घर पहुंचीं और तिलक कर पर्व मनाया। क्षेत्र में दिनभर उत्सव जैसा माहौल बना रहा। हसनपुर के अलावा ढवारसी, आदमपुर, रहरा, सैद नगली के बाजारों में भी चहल पहल रही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तिगरी मेला की तैयारियों की लखनऊ में की उच्चस्तरीय समीक्षा



अमरोहा/लखनऊ (सब का सपना):- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आगामी 15 से 25 नवंबर तक आयोजित होने वाले तिगरी मेला की तैयारियों की लखनऊ में उच्चस्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वेस्टर्न यूपी का मिनी कुम्भ' यह मेला श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छता का प्रतीक बनेगा। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, सुगम यातायात और स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें। सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं।मुख्यमंत्री ने गृह, लोक निर्माण, परिवहन, सिंचाई, नगर विकास, ऊर्जा, पंचायती राज, स्वास्थ्य समेत संबंधित विभागों के अधिकारियों को मेला प्रारंभ होने से पहले व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। परिवहन विभाग श्रद्धालुओं के आवागमन को देखते हुए अतिरिक्त बसों की व्यवस्था सुनिश्चित करे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि घाटों पर स्नान के लिए पर्याप्त सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। नदी को आवश्यकतानुसार चैनलाइज किया जाए और हर घाट पर जल की उपलब्धता रहे। पर्याप्त स्वच्छता कर्मियों की तैनाती हो। सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग कतई न हो। मेले में सीएचसी स्तर के अस्थायी हॉस्पिटल बनाए जाएं। पर्याप्त मैनपावर, एंबुलेंस समेत सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें। विद्युत की नियमित आपूर्ति व शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा के दृष्टिगत पर्याप्त पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मी, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें दोनों तरफ तैनात करने के निर्देश दिए। मेले से पहले एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी स्तर के अधिकारी पुलिस बल की काउंसिलिंग कर लें। पब्लिक एड्रेस सिस्टम, वॉच टावर, फायर टेंडर, सीसीटीवी, यातायात एवं पार्किंग प्रबंधन, डायवर्जन आदि की समुचित व्यवस्था की जाए। फायर टेंडर अलर्ट मोड पर रहें और कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय रहे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मेले में खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों को मंच दिया जाए। आस्था के विपरीत कोई भी कार्यक्रम न हो। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार करने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान नशे के खिलाफ अभियान चलाया जाए। मेले के कमांड एरिया में शराब व नशे की वस्तुओं की बिक्री कतई न हो और न ही आस्था के विपरीत कोई आचरण हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले में बच्चों की स्लोगन, भाषण, वाद-विवाद, निबंध आदि प्रतियोगिताएं कराई जाएं।

पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क की जल सारथी ऐप पर दें सूचना, होगी पुनर्स्थापना



लखनऊ (सब का सपना):- जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल योजनाओं के तहत पाइपलाइन बिछाने के दौरान यदि कहीं सड़क क्षतिग्रस्त हुई है और उसकी मरम्मत नहीं कराई गई है तो ग्रामीण इसकी सूचना जल सारथी ऐप के माध्यम से दे सकते हैं। ऐप पर सड़क की मौके से फोटो और वीडियो अपलोड कर शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्राप्त शिकायतों के आधार पर संबंधित अधिकारियों द्वारा सड़क की पुनर्स्थापना के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिले में पेयजलापूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने के दौरान करीब 2926 किलोमीटर सड़क खोदी गई, जिसमें से अब तक 2914 किलोमीटर सड़कों की पुनर्स्थापना कराई जा चुकी है। शेष सड़कों को भी निर्धारित मानकों के अनुरूप दुरुस्त कराने की कार्रवाई की जा रही है। पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क को पूर्व की स्थिति में बहाल करना संबंधित एजेंसियों की जिम्मेदारी है। पुनर्स्थापना कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में असुविधा न हो। सड़क पुनर्स्थापना कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित एजेंसी के साथ जिम्मेदार अभियंता की जवाबदेही भी तय की जाएगी।

कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि आपके गांव में पेयजल पाइपलाइन बिछाने के दौरान सड़क खोदी गई है और अब तक उसकी मरम्मत नहीं हुई है तो जल सारथी ऐप पर मौके की फोटो और वीडियो अपलोड कर शिकायत दर्ज कराएं। शिकायत मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अधिशासी अभियंता उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) अमरोहा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जिन स्थानों पर अभी तक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो सकी है, वहां लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जा रहा है। योजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों की पुनर्स्थापना पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

थाना चाँदपुर के मदरी गांव के पास भीषण सड़क हादसा, बाइक सवार दंपति गंभीर घायल

चाँदपुर/फतेहपुर (सब का सपना):- थाना चाँदपुर क्षेत्र के मदरी गांव स्थित पेट्रोल पंप के समीप आज बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ब्रेजा कार ने मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए।



प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को सायं करीब 3:30 बजे विजय कुमार साहू पुत्र रोशनलाल साहू, निवासी फत्तेपुर रोशनई, थाना रानियाँ, जिला कानपुर देहात अपनी पत्नी मंजू देवी के साथ अपनी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल संख्या वढ28 इख 126 से सराय फतेहपुर जा रहे थे। जैसे ही वे मदरी गांव स्थित पेट्रोल पंप के समीप पहुंचे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार ब्रेजा कार संख्या UP71 BF 4508 ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर कार के नीचे फंस गई और दंपति सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

फतेहपुर में भाजपा क्षेत्रीय महामंत्री राजेश सिंह पटेल का जगह-जगह भव्य स्वागत, जनसभा में कांग्रेस-सपा पर साधा निशाना



फतेहपुर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री जनसेवक राजेश सिंह पटेल के जनपद भ्रमण के दौरान विभिन्न मंडलों में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों द्वारा जगह-जगह भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। स्वागत कार्यक्रमों की श्रृंखला में तेलियानी मंडल में मंडल अध्यक्ष अरुण लोधी के नेतृत्व में सहिली में भव्य स्वागत किया गया। वहीं जोनिहा मंडल में मंडल अध्यक्ष कोमल एवं मंडल महामंत्री आदित्य पटेल के नेतृत्व में स्वागत एवं अभिनंदन हुआ। बिंदकी मंडल में मंडल अध्यक्ष पूरन सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसी क्रम में बकेवर में देवमई मंडल उपाध्यक्ष सुमन वर्मा एवं मंडल महामंत्री के नेतृत्व में स्वागत कार्यक्रम आयोजित हुआ। जहानाबाद में युवा भाजपा नेता लोकेंद्र पटेल के नेतृत्व में कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया। इसके अतिरिक्त अमौली मंडल में मंडल अध्यक्ष देवेंद्र के नेतृत्व में भी क्षेत्रीय महामंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय महामंत्री राजेश सिंह पटेल ने कांग्रेस ओट चोरी की बात करती है हम कांग्रेस से पूछना चाहते हैं कि ओट चोरी से ही जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री बनाया गया जबकि सारी ओट लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी को मिली थी राहुल गाँधी किस मुंह से ये बात करते हैं। समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव जी पी डी ए की बात करते हैं जबकि हर बार ठगने का काम करते हैं पीछे समाजवादी कई बार सरकार में आई तो परिवार के अलावा पी डी ए में से क्यों नहीं मुख्यमंत्री बनाया गया जिससे साबित हैं कि पी डी ए को ठगने का काम किया है समाजवादी पार्टी ने, समाजवादी पार्टी नीतियों और राजनीतिक दृष्टिकोण पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की राजनीति का मूल आधार राष्ट्रहित, सुशासन, विकास और जनकल्याण है।

उन्होंने कार्यकताओं से संगठन की विचारधारा एवं केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की शक्ति है और कार्यकताओं के परिश्रम एवं समर्पण से ही संगठन निरंतर आगे बढ़ता है। उन्होंने सभी मंडलों में मिले स्नेह, सम्मान और आत्मीय स्वागत के लिए भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान विभिन्न मंडलों के भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, युवा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

फतेहपुर में एसपी ने सुनी जनता की समस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश



फतेहपुर (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक ने मंगलवार को पुलिस कार्यालय में जनता की समस्याओं को सुना। इस दौरान दूर-दराज से आए फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याएं एसपी के सामने रखीं। एसपी ने एक-एक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुना और उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

एसपी ने कहा कि जनता की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। किसी भी फरियादी को बेवजह थाने का चक्कर न लगाना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर पुलिस कार्यालय में संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

धनौरा में भैया दूज पर बहनों ने भाईयों का किया तिलक, हर्षोल्लास के साथ मनाया भैया दूज पर्व

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनोरा क्षेत्र में भैया दूज के पर्व को बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दिन बहनों ने अपने भाई के मस्तक पर तिलक करके भाई बहन के रिश्ते को अटूट बनाया। बहनों ने भाइयों को तिलक करके उनके जीवन में सुख,समृद्धि और लंबी उम्र की कामना की और भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर अपना कर्तव्य निभाया।



बता दें कि बुधवार को भैया दूज के पावन पर्व पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने अपनी बहन के साथ पर्व मनाया और उनका आशीर्वाद लिया। योग शिक्षिका दीपा चौधरी ने अपने भाई को तिलक लगाया और मिठाई खिलाई।बाजार में मिठाई और पारंपरिक गोलों (नारियल) की दुकानों पर दिनभर भीड़ रही।

लोग भाइयों के लिए मिठाई, चॉकलेट और उपहार खरीदते दिखे। दुकानदारों ने त्योहारी सीजन में अच्छी बिक्री की बात कही।दूरदराज और दूसरे शहरों में नौकरी या पढ़ाई कर रहे भाइयों को कुछ बहनों ने वीडियो कॉल के जरिए तिलक किया और शुभकामनाएं दीं। क्षेत्र में पर्व पारंपरिक और डिजिटल, दोनों तरीकों से मनाया गया।

36.5 ग्राम स्मैक और 6460 रुपये की नकदी के साथ महिला गिरफ्तार



किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत किरतपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक महिला को 36.5 ग्राम स्मैक और 6460 रुपये की नकदी के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत करीब 70 से 75 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार बुधवार को थाना किरतपुर के प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह राठौर के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त एवं संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने निशात पत्नी फहीम निवासी मोहल्ला कोटला, थाना किरतपुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 36.5 ग्राम स्मैक तथा 6460 रुपये की नकदी बरामद की। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 347/2026, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह राठौर, उपनिरीक्षक अजीत सिंह, महिला उपनिरीक्षक ज्योति तोमर, कांस्टेबल मनीष कुमार, सोनू कुमार, सोमपाल तथा महिला कांस्टेबल रीना शामिल रहीं।

बाइक चोर गिरोह का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

तीन चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद, बिजनौर और गाजियाबाद समेत कई जनपदों में करते थे वारदात



बिजनौर (सब का सपना):- हीमपुर दीपा थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। बरामद बाइकों में एक मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी बिजनौर, गाजियाबाद सहित आसपास के जनपदों में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। चोरी की गई बाइकों को ये आरोपी सस्ते दामों पर बेचकर मुनाफा कमाते थे।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।मामले का खुलासा करते हुए एसपी ग्रामीण गौतम राय ने प्रेसवार्ता में बताया कि हीमपुर दीपा थाना पुलिस ने बाइक चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ और उनकी निशानदेही पर तीन चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद हुई हैं। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाने के साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

घर में घुसकर महिला और उसके परिजनों से मारपीट करने के मामले में दो गिरफ्तार



स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- थाना स्योहारा क्षेत्र के ग्राम मंडोरी में घर में घुसकर महिला और उसके परिजनों के साथ गाली-गलौज एवं मारपीट करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों का चिकित्सीय परीक्षण कराने के बाद न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, ग्राम मंडोरी निवासी रूपा देवी पत्नी कृष्णपाल ने 10 नवंबर को थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव के ही कृष्ण कुमार, सतवीर, विजेंद्र कुमार और रोहित ने उनके घर में घुसकर उनके तथा उनके पति कृष्णपाल और पुत्री के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों एवं धारदार हथियार से मारपीट की। तहरीर के आधार पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 419/2026 धारा 109(1), 333, 115(2), 118(1) एवं 352 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया था। बुधवार को थाना स्योहारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी रोहित पुत्र विजेंद्र (24 वर्ष) तथा सतवीर पुत्र परमा सिंह (50 वर्ष), निवासी ग्राम मंडोरी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल सरित कुमार, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार तथा कांस्टेबल संजू कुमार शामिल रहे।

अवध शुगर मिल में पेराई सत्र का विधिवत शुभारंभ

पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुई गन्ने की पेराई, बैलगाड़ी, ट्रक व ट्रॉली चालकों को किया सम्मानित



स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा स्थित अवध शुगर मिल में पेराई सत्र 2026-27 का शुभारंभ बुधवार को विधिवत पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ उत्साहपूर्वक किया गया। पेराई सत्र के शुभारंभ पर मिल परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा। इस दौरान गन्ना लेकर मिल पहुंचे किसानों और वाहन चालकों का मिल प्रबंधन की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया। मिल में गन्ना लेकर पहुंचे बैलगाड़ी, ट्रक और ट्रॉली चालकों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। मिल अधिकारियों ने कहा कि पेराई सत्र को सफल बनाने में किसानों और गन्ना ढुलाई में लगे चालकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। मिल प्रबंधन किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा गन्ने की सुचारू खरीद सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में नगर के डॉ. मनोज कुमार सहित सैकड़ों क्षेत्रीय किसान, गणमान्य नागरिक, मिल अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। नए पेराई सत्र के शुभारंभ से क्षेत्र के गन्ना किसानों में खुशी और उत्साह का माहौल दिखाई दिया।

ट्रक की चपेट में आने से भाई-बहन की मौत से मचा कोहराम



नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- भैया दूज का त्योहार मनाने घर लौट रही ही बहन की खुशियां उस समय मातम में बदल बद गई, जब उसे बाइक से घर लेकर जा रहे भाई की बाइक ट्रक की चपेट में आ गई। दर्दनाक हादसे में भाई-बहन की मौत हो छ गई, जबकि बाइक पर सवार तीसरा युवक कि गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद का मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने जन घायल को अस्पताल पहुंचाया और दोनों नर शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला के अस्पताल भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लठमार ने मिलक निवासी पप्पू सिंह की पुत्री रिया की मंगलवार देर शाम भैया दूज का त्योहार मनाने देहरादून-हरिद्वार से नहटौर स्थित अपने घर पहुंची थी। उसे लेने के लिए उसका भाई सोनू अपने साथ ग्राम रायपुर लकड़ा निवासी प्रदीप पुत्र नरेश को बाइक पर लेकर आया था। बहन को साथ लेने के बाद तीनों ने बाजार से कुछ खरीदारी की और बाइक से गांव वापस लौटने लगे। बताया जाता है कि नगर के पीर की चुंगी के पास पहुंचते ही उनकी बाइक ट्रक की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों और पुलिस की मदद से तीनों को तत्काल नगर की सीएचसी पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने रिया और उसके भाई सोनू को मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रदीप की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने हादसे की सूचना मृतकों के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन सीएचसी पहुंच गए। भाई-बहन की मौत की खबर सुनते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। जिस घर में भैया दूज के त्योहार की तैयारियां और खुशियां होनी थीं, वहां एक साथ दो मौतों से मातम पसर गया। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं ट्रक को कब्जे में लेकर पुलिस ने मामले में अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

करंट लगने से बंदर की मौत, साथी बंदरों का जमघट देख भावुक हुए लोग



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- बुधवार की सुबह मोहल्ला अंबेडकर नगर स्थित एक इंटर कॉलेज के पास विद्युत पोल पर बैठे एक बंदर की करंट लगने से मौत हो गई। बंदर के नीचे गिरते ही मौके पर अन्य बंदरों का जमघट लग गया। अपने साथी को मृत अवस्था में देखकर बंदरों की गतिविधियां देखकर मौके पर मौजूद लोग भी भावुक हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बुधवार सुबह करीब सात बजे एक बंदर विद्युत पोल पर बैठा था। इसी दौरान अचानक उसे करंट लग गया और वह धड़ाम से नीचे सड़क पर आ गिरा। करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। साथी बंदर की मौत के बाद बड़ी संख्या में बंदर वहां एकत्र हो गए, जिससे कुछ देर के लिए सड़क पर आवागमन भी प्रभावित हुआ। इस दौरान दो-तीन बंदरों ने मृत साथी को सीने से दबाकर उठाने का प्रयास किया, लेकिन कोई हलचल नहीं होने पर वे शांत होकर उसके आसपास बैठ गए।

यह दृश्य देखकर कॉलोनी के लोग भी मायूस हो गए। कुछ महिलाओं की आंखों में तो आंसू तक आ गए।घटना की सूचना मिलने पर मनोज वाल्मीकि और एडवोकेट अनिल शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृत बंदर के शरीर पर लाल कपड़ा ढक दिया, जिसके बाद अन्य बंदर वहां से चले गए। बाद में मनोज वाल्मीकि, मास्टर अनिल शर्मा, गौरव सैनी, शकुन सैनी और आयुष्य सैनी ने मिलकर मृत बंदर को आम के बाग में ले जाकर हिंदू रीति-रिवाज एवं विधि-विधान के साथ उसका अंतिम संस्कार किया। लोगों ने उनके इस मानवीय और संवेदनशील कार्य की सराहना की।

तीन व्यक्ति द्वारा मारपीट करने का मुकदमा दर्ज

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- एक व्यक्ति ने गाँव के ही तीन व्यक्तियों द्वारा मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी जिसपर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कारवाही शुरू कर दो।

ग्राम नारायणपुर रामजी उर्फ तेलीपुरा निवासी छोटे सिंह पुत्र राम सिंह ने गांव के ही तीन लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार 8 नवंबर की रात करीब नौ बजे वह अपने घेर में टीन के नीचे सो रहा था। तभी शीबू पुत्र कल्याण सिंह,कार्तिक पुत्र चन्द्रपाल और चन्द्रपाल पुत्र रामपाल वहां पहुंचे और गाली गलौज करते हुए मारपीट की।

हमले में उसके सिर में खुली चोट और सीने में अंदरूनी चोट आई। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

पीड़ित ने थाना नगीना में तीनों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

भाई दूज पर बहनों ने भाइयों के माथे पर किया तिलक, सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर एवं क्षेत्र में भाई दूज का पर्व बुधवार को परंपरागत रीति-रिवाज और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर, मिठाई खिलाई और नारियल भेंट कर उनकी सुख-समृद्धि एवं लंबी आयु की कामना की। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार भेंट कर उनकी खुशहाली की कामना की।

भाई दूज के पर्व पर सुबह से ही घरों में उत्साह का माहौल रहा। विवाहित बहनों के घर भाइयों के पहुंचने तथा बहनों के भाइयों के घर आने-जाने का सिलसिला दिनभर चलता रहा। बहनों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भाइयों को तिलक किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पर्व को लेकर नगर के बाजारों में भी काफी चहल-पहल देखने को मिली।

मिठाई, नारियल और उपहारों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ लगी रही। भाई दूज के पर्व के चलते बाजार गुलजार रहे और दुकानदारों के चेहरों पर भी रौनक दिखाई दी।

मारपीट के दो मामलों में मुकदमा दर्ज, पिता-पुत्र समेत चार घायल

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में मारपीट की दो अलग-अलग घटनाओं में युवती समेत चार लोग घायल हो गए। दोनों मामलों में पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पहली घटना ग्राम हीरावाली की है। गांव निवासी विकास पुत्र सूरज सैनी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आठ नवंबर की शाम करीब 7:30 बजे दीपक व प्रमोद पुत्रगण सुमेर सिंह तथा रिशु सैनी पुत्र विक्रम सिंह गाली-गलौज कर रहे थे। उसकी बहन कविता ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर दी।

शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे पिता सूरज सैनी और उसके भाई को भी आरोपियों ने पीटकर घायल कर दिया। मारपीट में पिता के पैर और भाई को चोटें आईं।

पीड़ित ने आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वहीं, दूसरी घटना ग्राम नारायणपुर रामजी उर्फ तेलीपुरा की है। गांव निवासी छोटे सिंह पुत्र राम सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आठ नवंबर की रात करीब नौ बजे वह अपने घेर में टीन के नीचे सो रहा था।

इसी दौरान गांव के शीबू पुत्र कल्याण सिंह, कार्तिक पुत्र चंद्रपाल और चंद्रपाल पुत्र रामपाल वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। हमले में उसके सिर में गंभीर चोट आई तथा सीने में भी अंदरूनी चोट लगी। आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

घर के सामने से नाली-सड़क न बनीं तो टंकी पर जा चढ़ी शिक्षिका, मान-मनौव्वल पर भी न मानी... प्रधान पर लगाए गंभीर आरोप

बिजनौर। घर के सामने सड़क और नाली न बनने से कीचड़ होने के विरोध में एक निजी स्कूल में शिक्षिका पानी की टंकी पर जा चढ़ी। शिक्षिका ने रास्ते की दुर्दशा बताने के लिए डीएम और विधायक को मौके पर बुलाने की मांग की। शिक्षिका का आरोप है कि ग्राम प्रधान ने अपने मकान के सामने ऊंची कर सड़क बनवा ली, जबकि उनके घर के सामने सड़क तो क्या नाली तक नहीं बनवाई। महिला ने सड़क निर्माण का पक्का आश्वासन न मिलने तक टंकी से उतरने से इन्कार कर दिया।

मंडावर रोड स्थि गांव हमीदपुर निवासी अरविंद सिंह की पत्नी मीनाक्षी देवी बिजनौर पब्लिक स्कूल में शिक्षिका हैं। बुधवार दोपहर लगभग दो बजे मीनाक्षी देवी अपने घर के पीछे स्थित पानी की टंकी पर



जा चढ़ीं। शिक्षिका ने शोर मचाकर गांव वालों को एकत्र कर लिया और डीएम को बुलाने की मांग करने लगीं। सूचना पर शहर कोतवाल अवनीत मान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने मीनाक्षी देवी को समझा बुझाकर नीचे उतरने को कहा तो मीनाक्षी ने साफ इन्कार कर दिया।

मीनाक्षी देवी ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान अमरकली देवी उनके परिवार से चुनावी रंजिश रखती हैं। ग्राम प्रधान ने अपने घर के आगे ऊंची करके सड़क बना ली जबकि उनके घर के आगे सड़क नीची है और नाली भी नहीं है। बरसात और घर से रोजमर्रा में निकलने वाला पानी सड़क पर जमा रहता है। सड़क कीचड़ का तालाब बन गई है। वहां अन्य लोगों के भी घर हैं, लेकिन ग्राम प्रधान और उनका बेटा किसी की बात नहीं सुन रहे। वे दिन रात कीचड़ भरे पानी से ही निकलने को मजबूर हैं। शहर कोतवाल ने मीनाक्षी के बच्चों इशू और अर्थ तथा पति अरविंद सिंह से भी मीनाक्षी से नीचे उतरने की अपील कराई लेकिन वह टस से मस नहीं हुई।मामला प्रशासन के संज्ञान में है

महिला के परिवार ने सड़क के बीच में शौचालय के गड्ढे बनवा रखे हैं। वे चाहते हैं कि उनके घर के आगे सड़क कम चौड़ी बने। पूरा मामला प्रशासन के संज्ञान में है। पूर्व में तहसीलदार भी गांव में आकर जांच कर चुके हैं। महिला इंटरनेट मीडिया पर वीडियो बनाती है। वह फेमस होने और अपनी नाजायज मांग मनवाने के लिए हंगामा कर रही है।-
ओमकार राणा, ग्राम प्रधान

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
हरियाणा / अमरोहा
अमरोहा
गुरुवार 12 नवम्बर 2026
www.sabkasapna.com

भैया दूज को लेकर पुलिस रही अलर्ट, भारी वाहनों की एंट्री पर रही रोक, यातायात रहा सुचारू

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा नगर में भैया दूज के पर्व को लेकर थाना पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही इस दौरान पुलिस ने सड़क पर मुस्तैद होकर यातायात को सुचारू रूप से चालू रखा। उधर पुलिस ने भैया दूज के पर्व को लेकर धनौरा में भारी वाहनो एवं गन्ने से लदे ट्रैकों का प्रवेश वर्जित रखा जिसके लिए धनौरा थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह ने ट्रैफिक की कमान खुद संभाली। पुलिस के मुताबिक त्योहार के दिन शहर में कहीं भी जाम की स्थिति नहीं बनी।



बता दें कि बुधवार सुबह से शहर की सड़कों पर पुलिस तैनात रही। बाईपास रोड पर ट्रैफिक का दबाव था, लेकिन पुलिस के अनुसार राहगीरों को जाम का सामना नहीं करना पड़ा।ड्यूटी के दौरान नरेंद्र सिंह ने व्यस्त ट्रैफिक के बीच एक एंबुलेंस को रास्ता दिलाया। स्थानीय व्यापारियों ने इस कदम की सराहना की।व्यापारी सावन भटनागर, भोला प्रजापति और इसरार सैफी ने कहा कि ई-रिक्शा के संचालन पर लगाम लगाने से ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने में मदद मिली।नरेंद्र सिंह ने बताया कि भैया दूज को देखते हुए शहर के अंदर भारी वाहनों और गन्ना लदे ट्रकों के प्रवेश पर रोक लगाई गई थी। इन वाहनों को शहर की सीमा से बाहर रोका गया।पुलिस के मुताबिक, इससे शहर के भीतर वाहनों का दबाव कम रहा। पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

भाई दूज पर काशवी शैवाल ने भाई गर्व को तिलक लगाकर मनाया पर्व



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- नगर की टीचर कॉलोनी निवासी काशवी शैवाल ने भाई दूज के पावन अवसर पर अपने भाई गर्व के माथे पर तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर हर्षोल्लास के साथ भाई दूज का त्योहार मनाया। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक भाई दूज का पर्व बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसकी सुख-समृद्धि एवं दीघार्यु की कामना करती है, वहीं भाई अपनी बहन की सदैव रक्षा करने और हर परिस्थिति में उसका साथ निभाने का वचन देता है।

सात ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- थाना अफजलगढ़ पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक आरोपी को सात ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक किशन अवतार के नेतृत्व में पुलिस मादक पदार्थों की बिक्री और तस्करी पर अंकुश लगाने



के लिए अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत 10 नवंबर को पुलिस ने ग्राम मेघपुर निवासी मोहम्मद अनीस पुत्र शफीक अहमद को सात ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना अफजलगढ़ में मुकदमा अपराध संख्या 262/2026, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ वर्ष 2019 और 2020 में आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और आबकारी अधिनियम के तहत तीन मुकदमे दर्ज हैं। इस अवसर पर गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अंबरीश कुमार सिंह, कांस्टेबल देवकरण और कांस्टेबल वीरेंद्र सिंह शामिल रहे।

बहादरपुर चीनी मिल के पेराई सत्र 2026-27 का शुभारंभ





अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- बहादरपुर चीनी मिल के 2026-2027 पेराई सत्र का शुभारंभ सहकारी गन्ना समिति अफजलगढ़ के चेयरमैन सरदार मलकीत सिंह, सहकारी गन्ना समिति धामपुर के चेयरमैन रामवीर सिंह उर्फ मोहन सिंह,चीनी मिल अफजलगढ़ के मुख्य महाप्रबंधक उमेश कुमार सिंह बिसेन,सचिव राजेश सिंह सहित डायरेक्टरो, मिल अधिकारियों द्वारा किया गया। इस मौके पर हवन आयोजित किया गया और केन कैरियर में गन्ना डालकर पेराई सत्र शुरू किया गया। इसके अलावा मिल के कांटों प्रथम स्थान पर गन्ना लाने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। अफजलगढ़ बहादरपुर शुगर मिल के वर्ष 2026-2027 के पेराई सत्र का शुभारंभ बुधवार को चीनी मिल मंदिर के पुजारी पंडित सनातन त्रिपाठी एवं पंडित केशव दत्त के द्वारा पूरे विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सहकारी गन्ना समिति अफजलगढ़ के चेयरमैन सरदार मलकीत सिंह,सहकारी गन्ना समिति धामपुर के चेयरमैन रामवीर सिंह उर्फ मोहन सिंह,चीनी मिल अफजलगढ़ के मुख्य महाप्रबंधक उमेश कुमार सिंह, सचिव राजेश सिंह तथा पूर्व चेयरमैन सुरेश कुमार गहलौत ने पेराई सत्र का शुभारंभ किया। इस मौके पर मिल परिसर में हवन हुआ, जिसमें अतिथियों के साथ ही अधिकारियों और किसानों ने हवन में आहुतियां अर्पित की।

शुगर मिल अफजलगढ़ के मुख्य महाप्रबंधक उमेश कुमार सिंह बिसेन द्वारा मिल कांटों पर प्रथम किसान रामकिशन सिंह निवासी भागीजोत की गन्ने से भरी बैलगाड़ी,टिपलर किसान राजपाल सिंह निवासी गांव पाबन्दीपुर, ट्रैक्टर ट्राली किसान श्याम सिंह निवासी गांव सलावतनगर तथा ट्रक क्रय केंद्र जाफरपुर के किसान मुख्तियार सिंह का विधि-विधान से स्वागत किया गया और मिल गेट के सभी कांटो का विधि-विधान से पूजन किया गया। इसके बाद मिल की चेन में गन्ना डालकर पेराई सत्र 2026-27 का शुरू कराया गया। चीनी मिल के मुख्य महाप्रबंधक उमेश कुमार सिंह बिसेन ने बताया कि इस पेराई सत्र में गन्ने की आवश्यकता गन्ना आयुक्त, कार्यालय द्वारा 119.47 ला. कु. निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी किसानों से अनुरोध किया कि इण्डेंट द्वारा प्राप्त पर्ची के अनुसार ताजा एवं स्वच्छ गन्ने की आपूर्ति करें। गन्ना कृषक एवं चीनी मिल दोनों का चोली साथ है, इसलिए किसान भाईयों से अपील है कि जड़-मिट्टी, पत्ती एवं अगोला रहित साफ गन्ना ही पर्ची पर अंकित प्रजाति एवं दिनांक के अनुसार आपूर्ति करें, जिससे चीनी मिल आप सभी किसान भाईयों को त्वरित गन्ना मूल्य भुगतान पूर्व वर्षों की भांति करती रहे। इस अवसर पर चीनी मिल के वरिष्ठ अधिशासी उपाध्यक्ष (कापोरेंट) सलिल स्वरुप आर्य ने जिला गन्ना अधिकारी, बिजनौर,ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक एवं सचिव अफजलगढ़,धामपुर, नगीना को विभागीय दिशा-निर्देश एवं सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापन के साथ समस्त कृषक भाईयों एवं मिल अधिकारियों व कर्मचारियों को शुभकामना एवं बधाई दी। इस अवसर पर महाप्रबंधक टेक्निकल पंकज सिंह सिसौदिया, वरिष्ठ महाप्रबंधक मेघ नरेश सिंह, अनिल कुमार पंवार,सचिव सिंह,ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक विश्व मित्र पाठक,डायरेक्टर मनोज कुमार चौहान, सुदेश कुमार,अनुज अवस्थी, नरेन्द्र कुमार, संदीप शर्मा,मनीष त्रिपाठी राहुल कुमार दुबे,डिप्टी चेयरमैन संजीव कुमार,कुंदन सिंह,डॉ वीर सिंह,पूर्व चेयरमैन सुरेशचंद्र गहलौत,डायरेक्टर रवैल सिंह,प्रधान कपिल कुमार सैनी,डायरेक्टर सरदार दलजीत सिंह,डायरेक्टर चन्द्रप्रकाश सिंह,डायरेक्टर वीरेंद्र सिंह,डायरेक्टर सतनाम सिंह, डायरेक्ट दारा सिंह, डायरेक्ट सुखविंदर सिंह, बलदेव सिंह, समाजसेवी अतुल कुमार अग्रवाल, किसान नेता मुख्तियार सिंह तथा किसान नसीम अहमद आदि उपस्थित रहे।

डिडौली क्षेत्र में ट्यूशन से लौट रही नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़, पुलिस ने जांच के बाद केस दर्ज करने की कही बात



डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली क्षेत्र में ट्यूशन से लौट रही नाबालिग छात्रा से गाली गलौज करने एवं छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। इस मामले में नाबालिग के परिजनों ने गांव निवासी तीन भाइयों के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। उधर डिडौली थाना प्रभारी ने इस मामले में जांच के बाद कार्यवाही करने की बात कही है।

बता दें कि शिकायत के मुताबिक, बुधवार दोपहर नाबालिग ट्यूशन पढ़कर घर जा रही थी। रास्ते में खड़े तीन भाइयों ने उसे देखकर गाली-गलौज की और बदतमीजी करने लगे। नाबालिग ने घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजन तीनों युवकों के घर पहुंचे और उनके परिवार से शिकायत की। आरोप है कि युवकों के परिजनों ने उन्हें घर से भगा दिया। इसके बाद परिजन डिडौली कोतवाली पहुंचे और तीनों भाइयों के खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए तहरीर दी। डिडौली के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मामले में तहरीर मिली है और जांच की जा रही है। जांच के बाद केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक पार्टी के दो रास्ते ! परगट ने छेड़ा 'इंसाफ' अभियान तो चन्नी निकालेगी 'साइकिल' रैली; पंजाब कांग्रेस में कब थमेगी कलह

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में हाल ही में बड़ा फेरबदल हुआ। राजा वड़िंग को हटाकर कांग्रेस ने परगट सिंह को प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया। इससे पहले छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कांग्रेस प्रभारी पद से हटाकर सचिन पायलट को नया प्रभारी बनाया विधानसभा चुनाव 2027 से पहले कांग्रेस के बीच लंबे समय से चल रही खटपट को संभालने के लिए पार्टी ने संगठनात्मक बदलाव तो किया, लेकिन इससे पंजाब के नेताओं के बीच फिर एक नई कलह ने जन्म ले लिया। वर्तमान में लुधियाना सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बीच मतभेद है, जिसका असर अब पार्टी में व्यापक रूप से नजर आ रहा है। पंजाब कांग्रेस में अभी खत्म नहीं हुई कलह

पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी के नए अध्यक्ष परगट सिंह ने पूरे राज्य में जनसंपर्क अभियान 'पंजाब मंगदा इंसाफ' शुरू किया है। इस बीच सभी



नेताओं को एकजुट होकर इस अभियान को सशक्त बनाना चाहिए था। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी एक अलग राह तलाश रहे हैं। इस तरहअब पार्टी के भीतर गुटबाजी की अटकलें एक बार फिर जोर पकड़ रही हैं।पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने परगट को यह कार्यक्रम बुधवार के लिए तय करने की सलाह दी थी यानी चन्नी की प्रस्तावित यात्रा से एक दिन पहले। यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि चन्नी अपनी साइकिल रैली के लिए तैयारियों में जुटे हैं। जानकारी के अनुसार, इस जनसंपर्क अभियान को विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में अपनी दावेदारी मजबूत करने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है।

नेताओं ने जताई चिंता

कुछ नेताओं ने चिंता जताई है कि चन्नी का अभियान कांग्रेस संगठन के बजाय उनके व्यक्तिगत नेतृत्व पर ज्यादा केंद्रित होता दिख रहा है। हालांकि, परगट ने इस समय के राजनीतिक महत्व को अधिक तवज्जो नहीं दी है।

विधानसभा चुनाव 2027 के लिए कांग्रेस का 'पंजाब मंगदा इंसाफ' अभियान शुरू, जनता के सुझावों से बनेगा घोषणा पत्र



चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर कांग्रेस ने अपना चुनावी होमवर्क तेज कर दिया है। बुधवार को चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस भवन में प्रदेश अध्यक्ष परगट सिंह, नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में ह्यपंजाब मंगदा इंसाफह्ण अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान के तहत कांग्रेस नेता अब प्रदेश के अलग-अलग जिलों और विधानसभा हलकों में जाकर लोगों से सीधा संवाद करेंगे। नशे, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था सहित पंजाब से जुड़े दूसरे अहम मुद्दों पर जनता की राय और सुझाव लिए जाएंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह ने कहा कि पंजाब के लोगों की राय जानने और उनकी समस्याओं को समझने के उद्देश्य से यह अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत कांग्रेस नेताओं के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी लोगों के बीच जाएंगे और उनसे बातचीत करेंगे।जनता से मिलने वाले सुझावों के आधार पर पार्टी अपना चुनावी घोषणा पत्र तैयार करेगी, ताकि पंजाब की वास्तविक समस्याओं को उसमें जगह मिल सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर इन मुद्दों के समाधान के लिए काम किया जाएगा।परगट सिंह ने कहा कि चार नवंबर को संगरूर में राहुल गांधी की रैली के साथ ही कांग्रेस चुनावी मैदान में उतर चुकी है। अब विभिन्न रैलियों, जनसभाओं और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से पार्टी नेता अपने-अपने जिलों और विधानसभा हलकों में लोगों तक पहुंचेंगे। पंजाब मंगदा इंसाफ अभियान भी इसी चुनावी रणनीति का हिस्सा है। 12 नवंबर से 625 किलोमीटर की साइकिल यात्रा कांग्रेस की चुनावी गतिविधियों को गति देने के लिए 12 नवंबर से जवानी संभाल जट्टा साइकिल यात्रा भी शुरू होगी। कैंपेन कमेटी के चेयरमैन एवं पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की अगुवाई में श्री चमकौर साहिब से शुरू होने वाली यह यात्रा 19 नवंबर तक चलेगी। इसमें दो हजार से अधिक साइकिल सवारों के शामिल होने की तैयारी है। यात्रा पंजाब के 27 विधानसभा हलकों से गुजरते हुए करीब 625 किलोमीटर का सफर तय करेगी। इसके उद्घाटन मौके पर पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट के भी पहुंचने की उम्मीद है। यात्रा के दौरान संबंधित हलकों के स्थानीय नेता, विधायक और सांसद भी इसमें शामिल होंगे।चन्नी और वड़िंग की गैरमौजूदगी ने उठाए सवाल अभियान की शुरूआत के मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की मौजूदगी नहीं रही। ऐसे में कांग्रेस की एकजुटता को लेकर फिर सवाल उठने लगे हैं। पार्टी लगातार सभी नेताओं के एकजुट होने का दावा कर रही है, लेकिन चुनाव से पहले सभी वरिष्ठ नेताओं को एक मंच पर लाना प्रदेश नेतृत्व के लिए बड़ी चुनौती होगी।

पंजाब के नगर निकाय कर्मचारियों के बकाये पर हाईकोर्ट सख्त, सरकार से मांगा डीपीएफ और रिटायरमेंट लाभ का पूरा हिसाब

चंडीगढ़। पूरी जिंदगी सरकारी सेवा में बिताने के बाद बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा मिलने के बजाय यदि किसी कर्मचारी को अपनी ही पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ें तो यह व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पंजाब के नगर निगमों, नगर परिषदों, नगर पंचायतों और सुधार न्यासों में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ कुछ ऐसा ही हो रहा है। अब पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकार से बकाया सेवानिवृत्ति लाभ और सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) की पूरी जानकारी मांगी है। जस्टिस नमित कुमार ने सरकार को निर्देश दिया है कि वह बताए कि स्थानीय निकायों के कर्मचारियों के कितने सेवानिवृत्ति लाभ लंबित हैं, जीपीएफ की कितनी राशि कर्मचारियों के खातों में जमा नहीं कराई गई और इन देनदारियों को चुकाने के लिए कितने बजट की आवश्यकता होगी। याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि पंजाब सरकार की ओर से दाखिल अनुपालन रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब नहीं दिए गए हैं। स्थानीय निकाय विभाग के सचिव ने शपथपत्र के साथ मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) अदालत में प्रस्तुत की थी, लेकिन इसमें बकाया भुगतान की समयसीमा और आवश्यक बजट का स्पष्ट उल्लेख नहीं था।अदालत ने विशेष रूप से पूछा है कि



जिन मामलों में सेवानिवृत्ति लाभ जारी करने में कोई कानूनी बाधा नहीं है, उनमें भुगतान कब तक किया जाएगा। इसके अलावा, लंबित देनदारियों को समाप्त करने के लिए कुल कितनी धनराशि और बजट की जरूरत है, इसका भी पूरा ब्योरा देना होगा।कटौती के बाद भी GPF खातों में जमा नहीं हुई राशि

हाईकोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जताई कि कई स्थानीय निकाय कर्मचारियों के वेतन से सामान्य भविष्य निधि के लिए राशि काट तो रहे हैं, लेकिन उसे संबंधित कर्मचारियों के जीपीएफ खातों में जमा नहीं कराया जा रहा। अदालत ने ऐसे मामलों की कुल संख्या और जमा नहीं कराई गई राशि का विवरण मांगा है। इसमें नगर निगमों, नगर परिषदों, नगर पंचायतों और सुधार न्यासों के कर्मचारियों के जीपीएफ के साथ-साथ अंशदायी भविष्य निधि (सीपीएफ) की लंबित राशि का भी ब्योरा शामिल करने को कहा गया है।

रिटायरमेंट लाभों में देरी पर सवाल

हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान टिप्पणी की थी कि सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान में देरी बार-बार सामने आ रही है। विशेष रूप से तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके विपरीत कई मामलों में प्रथम और द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों के सेवानिवृत्ति लाभ अपेक्षाकृत जल्दी जारी कर दिए जाते हैं। सरकार से मांगा गया हिसाब अदालत ने कहा था कि निम्न श्रेणी के कर्मचारी अपनी रोजमर्रा की जरूरतों, चिकित्सा खर्च और पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिए सेवानिवृत्ति लाभों पर निर्भर रहते हैं। पूरी सेवा देने के बाद उन्हें अपने जायज हक के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने को मजबूर करना कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के अनुरूप नहीं है। हाईकोर्ट ने स्थानीय निकाय विभाग के सचिव से पहले ही व्यक्तिगत शपथपत्र दाखिल कर देरी के

पीपीएससी भर्ती पर सुनील जाखड़ ने उठाए सवाल, 86 अभ्यर्थियों के रोल नंबर क्रम में आने पर की सीबीआई जांच की मांग

चंडीगढ़। पंजाब लोक सेवा आयोग (पीपीएससी) की मुख्य परीक्षा के परिणामों को लेकर उठे विवाद ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। पंजाब भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच होने तक साक्षात्कार सहित भर्ती के बाकी चरण स्थगित करने की मांग की है। उन्होंने मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने और सफल अभ्यर्थियों के नाम व श्रेणीवार सूची सार्वजनिक करने की मांग की। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में जाखड़ ने कहा कि 751 सफल अभ्यर्थियों में से 86 के रोल नंबर सूची में कई जगह लगातार क्रम वाले समूहों में दिखाई देते हैं। इसकी जांच होनी चाहिए कि एक ही पंक्ति में बैठे कई अभ्यर्थी एक साथ कैसे सफल हुए। उन्होंने मूल्यांकन प्रक्रिया, परीक्षकों की योग्यता, अंक देने के तरीके और मॉडरेशन (अंकों के मानकीकरण) का ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग भी की।जाखड़ ने रखी पारदर्शी जांच की मांग

जाखड़ ने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया में पैसे के लेन-देन और प्रभावशाली लोगों को लाभ पहुंचाने



पंजाब में पीपीएससी मुख्य परीक्षा के परिणामों पर विवाद गहरा गया है। बीजेपी नेता सुनील जाखड़ ने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए सीबीआई जांच और इंटरव्यू प्रक्रिया रोकने की मांग की है।

की आशंका है। उन्होंने एक अधिकारी के बेटे-बहू को खेल कोटे में कथित तौर पर ग्रेस अंक मिलने, एक तहसीलदार के बेटे के चयन और पंजाबी भाषा की पात्रता शर्त पूरी करने की समय-सीमा बार-बार बढ़ाए जाने से जुड़े दावों की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि नामों वाली सूची जारी होने से चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता सामने आएगी।अभ्यर्थियों के समर्थन में उतरे जाखड़

जाखड़ ने आप के वरिष्ठ नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पीपीएससी को 'दुकान' बना दिया गया है और पंजाब के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से जवाबदेही तय करने को कहा। इस दौरान अभ्यर्थियों अभिषेक और रणकीरत सिंह ने भी मूल्यांकन में एकरूपता, आरक्षित श्रेणियों के खाली पदों, परीक्षा केंद्रों पर प्रश्नपत्र खोलने की प्रक्रिया और परिणाम लीक होने के आरोपों की जांच की मांग की। जाखड़ ने भरोसा दिया कि वह यह मामला केंद्रीय गृह मंत्री के समक्ष उठाएंगे और अभ्यर्थियों की कानूनी लड़ाई में साथ देंगे।

नारियल तेल के फायदे

नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, नारियल का तेल है

सर्दियों में सभी महिलाएं त्वचा को रुखेपन से बचाने के लिए मॉइश्चराइजर खरीदती हैं पर अगर आप इसकी जगह नारियल का तेल इस्तेमाल करें तो भी आपको पूरा लाभ मिलेगा क्योंकि ये प्राकृतिक रुप से मॉइश्चराइजर का काम करता है। नारियल का तेल कई गुणों से भरपूर होता है। त्वचा संबंधी कई रोगों के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। आइए जानते हैं नारियल का तेल सेहत को किस तरह से फायदा पहुंचाता है। नारियल तेल के इस्तेमाल से कई फायदे होते हैं। कई गुणों से भरपूर यह तेल स्वास्थ्यपरक फायदों के लिए पीढ़ियों से इस्तेमाल में लाया जा रहा है। सेहत के साथ-साथ नारियल का तेल त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए भी सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है।

नारियल तेल के फायदे

तेल स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी सहायक



नारियल तेल त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है। इसका इस्तेमाल त्वचा रोग, डर्मेटाइटिस, एक्जिमा और स्किन बर्न में किया जा सकता है। नारियल तेल स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी मदद करता है और होंठ को फटने से बचाने के लिए भी इसे नियमित रूप से होंठों पर लगाया जा सकता है।

नारियल तेल बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने में काफी मददगार साबति होता है। सिर की मसाज सिर्फ पांच मिनट नारियल तेल से करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि यह खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है, नियमित रूप से नारियल तेल से मसाज करने से बालों में रूसी नहीं होती है।

नारियल तेल के इस्तेमाल से वजन भी कम किया जा सकता है। ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड होता है। मीडियम चेन फैटी एसिड्स आसानी से ऑक्सीडाइज्ड लिपिड्स होते हैं और एडीपोज ऊतक में संग्रहित नहीं होते हैं। इस प्रकार, मुख्य रूप से मीडियम चेन फैटी एसिड युक्त नारियल का तेल वजन घटाने में मददगार साबित होता है।नारियल तेल लॉरिक एसिड और कैप्रिक एसिड की तरह एंटीमाइक्रोबियल लिपिड का एक समृद्ध स्रोत होता है, जो एंटीफंगल और जीवाणुरोधी होते हैं।

गर्भवती महिलाएं तनाव से बचें

अगर आप गर्भवती हैं तो किसी प्रकार का तनाव न लें। एक अध्ययन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्भावस्था के दौरान ज्यादा तनाव में रहने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि गर्भावस्था के दौरान तनाव लेने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा 42 फीसदी बढ़ जाता है। इससे पहले हुए अध्ययन की रिपोर्ट में यह पाया गया था कि 24 सप्ताह की गर्भवती में होने वाले गर्भपात में 20 फीसदी मामले तनाव के कारण होते हैं।

दोबारा अध्ययन के बाद यह पाया गया कि आंकड़ें इससे कहीं ज्यादा हैं क्योंकि गर्भपात के कई मामले दर्ज ही नहीं होते।

यही नहीं अध्ययन की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा किया गया कि युवा होते ही तनाव और अवसाद का सामना करने वाले लोगों को आगे के जीवन में बहुत सी बीमारियों का सामना करना पड़ता है!

गर्भावस्थ में काम का ज्यादा तनाव न लें

गर्भावस्था के दौरान काम का बहुत ज्यादा तनाव न लें। अपनी प्राथमिकताएं थोड़ी कम करें और दोस्तों या रिश्तेदारों से मदद लेने में संकोच न करें।

घर का काम कम करें और उस समय का इस्तेमाल आप किताब पढ़ने और आराम करने में कर सकती हैं।

अगर कामकाजी हैं तो ऑफिस में सिक लीव या अपनी छुट्टिदयों का भरपूर लाभ लें।

लंबी सांस लें और छोड़ें, योग करें या स्ट्रेचिंग करें।

अगर स्वीमिंग आती है तो स्वीमिंग करें या वॉक करें।

हेल्दी खाएं. संतुलित आहार आपके शरीर और मानसिक सेहत दोनों को ठीक रखेगा।

रात में जल्दी सो जाएं क्योंकि इससे आपके गर्भ में पल रहे बच्चों को विकास के लिए ज्यादा समय मिलेगा।

दूसरों की सुनें पर दिल से न लगाएं। गर्भावस्था के दौरान लोग खूब कहानियां सुनाते हैं, उन्हें सुनें जरूर, पर ज्यादा ध्यान न दें। कुछ लोगों को गर्भावस्था में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, लेकिन ऐसा आपके साथ भी हो, कोई जरूरी तो नहीं।

अगर आपको लगता है कि आप तनाव में हैं और आपका तनाव कम नहीं हो पा रहा है तो अपने डॉक्टर से बात करें।





कम बजट में शानदार हनीमून!

भारत के ये 6 डेस्टिनेशन जहां ट्रिप बनेगी बेहद यादगार

भारत में हनीमून की योजना बना रहे कपल्स के लिए यह लेख 6 आकर्षक डेस्टिनेशन सुझाता है, जहां वे अपनी शादी के बाद बेहतरीन पल बिता सकते हैं। गोवा के सुनहरे समुद्र तटों से लेकर शिमला और मनाली की बर्फीली वादियों तक, ये गंतव्य शांति, प्राकृतिक सुंदरता और एडवेंचर का अनोखा संगम प्रदान करते हैं, जो कम बजट में भी शानदार ट्रिप सुनिश्चित करते हैं।

भारत में शादियों का सीजन शुरु हो चुका है। शादी के बाद कपल्स का हनीमून पर जरुर जाते हैं। अगर आप भारत में हनीमून के लिए डेस्टिनेशन खोज रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे भी भारत में घूमने-फिरने की जगहों की भरमार है। यहां आपको एक से बढ़कर एक एडवेंचर, रोमांटिक जगहें, जहां आप पार्टनर संग घूमने जा सकते हैं। इस लेख में हम आपको भारत में ही हनीमून प्लान करने के लिए कुछ रोमांटिक डेस्टिनेशन्स के बारे बताने जा रहे हैं। इन जगहों पर आपको सुकून, शांति मिलेगी और कम बजट में ट्रिप भी शानदार बन जाएगी।

गोवा

भारत की सबसे फेवरेट हनीमून डेस्टिनेशन में से एक है गोवा। यहां की बीच लाइफ एक्सपीरियंस सबसे शानदार होता है। गोवा के बीच के किनारे आप पत्नी संग रोमांटिक पल बिता सकते हैं। इसके अलावा, गोवा की नाइट लाइफ पार्टी को एन्जॉय करने का एक अलग ही मजा होता है। यहां पर घूमने के लिए कैलेंगुट बीच, अंजुना बीच, बागा बीच, बागाटोर बीच, सिंकेरियन बीच, पालोलेम बीच। गोवा में घूमने के लिए ज्यादा पैसा खर्च नहीं होता है। पहले ही होटल बुकिंग कर लें, वरना बाद में महंगी हो जाती है।

शिमला

यदि आपका पहाड़ पर घूमने का प्लान हैं, तो आप शिमला घूमने जरुर जाएं। शिमला में देवदार, चीड़ और माजू के जंगलों में आप घूम सकते हैं। बर्फीले घाटियां और सुंदर नजारे आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। हनीमून के लिए शिमला घूमना एक परफेक्ट डेस्टिनेशन में से एक है।

मनाली

हिमाचल प्रदेश का खूबसूरत शहर है मनाली। यह जगह हनीमून डेस्टिनेशन के लिए सबसे बढ़िया है। यहां आप सुंदर सी बर्फीली वादियां देख सकते हैं। मनाली में हनीमून मनाना सबसे यादगार हो सकता है। मनाली में दिसंबर-जनवरी के महीने में स्नोफॉल का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां आप ट्रेकिंग, स्नो स्कीइंग का तुत्फ उठा सकते हैं।

दार्जिलिंग

क्वीन ऑफ हील्स दार्जिलिंग को कहा जाता है। हनीमून के लिए यह जगह बेहद ही रोमांटिक है। यहां पर चाय के बागन,बर्फ से ढके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कल-कल करते झरने देखकर आप इस जगह में खो जाएंगे। कम बजट के अंदर है यह एक शानदार हनीमून की जगह हो सकती है।

श्रीनगर

हनीमून के लिए परफेक्ट डेस्टिशन है श्रीनगर। कश्मीर घाटी में बसा श्रीनगर सुंदर नजारे और घाटियों के लिए जाना जाता है। यहां पर मुख्य आकर्षण केंद्र है डल झील। यहां पर आप मुगल गार्डन, झीलें, सुंदर घाटियों में घूम सकते हैं। यह जगह हनीमून के लिए परफेक्ट है।

माउंट आबू

राजस्थान का स्वर्ग कहा जाने वाल माउंट आबू, हनीमून के लिए एकदम परफेक्ट जगह है। यदि आप भारत में हनीमून के लिए नई जगह पर जाना चाहते हैं, तो माउंट आबू का प्लान जरुर बनाएं। यहां पर आप वाइल्ड लाइफ का मजा ले सकते हैं। यहां पर आप तरह-तरह के पक्षियां, जानवर देखने को मिलेंगे। पहाड़ों पर घूमने या ट्रेकिंग का प्लान कर सकते हैं।

सपनों का हनीमून!



बिना वीजा के इन जगहों पर बिताएं जिंदगी के सबसे रोमांटिक पल

हनीमून हर नवविवाहित जोड़े के जीवन का सबसे खूबसूरत समय होता है, जिसे खास जगह पर बिताना हर किसी का सपना होता है। दुनिया में कई ऐसी रोमांटिक डेस्टिनेशंस हैं जो हनीमून के लिए परफेक्ट मानी जाती हैं। मालदीव अपने शांत समुद्र, वॉटर विला और प्राइवेट बीच के लिए मशहूर है। दुनिया में ऐसी के बीच वाले देश हैं जो वीजा-फ्री है, जहां आप अपने पल को सुकून से बिता सकते हैं। मॉरीशस सुंदर बीच और नेचर के कारण रोमांटिक माहौल प्रदान करता है। मॉरीशस और सेशेल्स भी अपने लग्जरी रिसॉर्ट्स और नीले समुद्र के लिए लोकप्रिय हैं। हनीमून को खास बनाने के लिए आप इन जगहों पर घूमने जरुर जाएं। ये सभी जगहें कपल्स को सुकून, रोमांस और यादगार पलों से भरा अनुभव देंगी।

मालदीव

नवविवाहित कपल्स के लिए मालदीव सबसे बेस्ट जगहों में से एक है। हनीमून के लिए यह बेस्ट डेस्टिनेशन है, जो कि वीजा-फ्री है। यहां के ओवरवॉटर विला, क्लिर ब्लू पानी और रंग-बिरंगी मछलियां किसी स्वर्ग से कम नहीं है। मालदीव में प्राइवेट रिसॉर्ट्स दीपों के लिए जाना जाता है। शाम के समय समुद्र किनारे कैंडललाइट डिनर, कपल स्पा और सनसेट क्रूज आपकी यादों को हमेशा यादगार बना देंगा।

मॉरीशस

मॉरीशस सुंदर बीच, हरे-भरे जंगलों और विविध संस्कृति के लिए जाना जाता है। कपल्स यहां पर ले मॉर्न ब्राबांट, चमरेल की सेवन कलर्ड अर्थ और पाम्पलमूस बोटैनिकस गार्डन देख सकते हैं। यदि आप एडवेंचर का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो स्कूबा डाइविंग, सेलिंग या ट्रेकिंग का मजा ले सकते हैं। यहां आप हनीमून को शानदार तरीके से एन्जॉय कर सकते हैं।

सेशेल्स

एक शांत और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है सेशेल्स, यहां पर सफेद रेत वाले बीच और नीले पानी की लहरें कपल्स को अट्रैक्ट करेगी। यहां के लोकप्रिय स्थानों में अन्से लाजियो बीच और यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट डे शामिल है। कपल्स यहां पर प्राइवेट यॉट में सफर कर सकते हैं।

अल्माटी

अल्माटी कजाखस्तान का सबसे बड़ा और खूबसूरत शहर है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आधुनिकता के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर बर्फ से ढके पहाड़ों, झीलों और हरियाली से घिरा हुआ है। अल्माटी कभी देश की राजधानी था और आज भी इसका सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र माना जाता है। यहां का मेदेओ आइस स्केटिंग रिंक, शिम्बुलक स्की रिसॉर्ट और बिग अल्माटी लेक प्रमुख आकर्षण हैं। अपनी शांत जलवायु और सुंदर दृश्यों के कारण यह हनीमून और पर्यटन के लिए सबसे बेस्ट डेस्टिनेशन है।

फिजी

हनीमून के लिए फिजी एक शानदार डेस्टिनेशन है। फिजी नेचुरल खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यहां के साफ बीच, कोरल रीफ और हरियाली से भरे जंगल न्यूली वेड कपल के लिए शानदार है। यहां पर आफ डाइविंग, स्नॉर्कलिंग और हाइकिंग कर सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर वालों के लिए परफेक्ट वीकेंड स्पॉट! भरतपुर नेशनल पार्क दिलाएगा सुकून

अगर आप दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं और वीकेंड ट्रिप पर जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल सिर्फ आपके लिए है। भागदौड़ भरी जिंदगी से परेशान होकर लोग कुछ समय के लिए सुकून की तलाश करते हैं। रोजाना 9 टू 5 जॉब करके हम सभी का माइंड और बॉडी दोनों ही थक जाती है। अगर आप वीकेंड पर फैमिली और दोस्तों के साथ समय सुकून बिताना चाहते हैं, तो आप भरतपुर बर्ड सेंचुरी एक्सप्लोर करने जरुर जाएं। यहां पर आपको जंगलों के बीच पक्षियों का सुंदर नजारा और एकांत व सुकून का माहौल देखने को मिलेगा।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी जाने का समय

आपको बता दें कि, भरतपुर बर्ड सेंचुरी का असली नाम केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान है। जो कि भरतपुर जिला राजस्थान में बना हुआ है। वीकेंड के दौरान दिल्ली के आसपास जगहों के लिए ये नेशनल पार्क टॉप पर रहता है। अक्टूबर से लेकर मार्च तक महीने तक यहां समय बीतना बेहद ही खास होता है। इस समय यहां पर लोकल बर्ड के अलावा माइग्रेटेड पक्षी भी आते हैं। यह समय जाने के लिए सबसे बेस्ट है।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी में देखने के लिए क्या-क्या है?

यहां पर आपको प्रवासी पक्षियों में से साइबेरियन सारस, बार हेडेड गीज, पेलिकन और पेंटेड स्टार्क आते हैं। इसके अलावा, लोकल पक्षियों की ढेर सारी वैराइटी भी देखने को मिलती है। पक्षियों के अतिरिक्त, यहां पर अजगर, मॉनिटर छिपकलियां, कुछ वाइल्ड कैट, गोल्डन सियार, जंगली सुअर, सांभर, हिरण, चितल हिरण भी देखने को मिल जाएंगे। यहां आप कई सारे कछुओं की वैराइटी देख सकते हैं।

भरतपुर में इन जगहों पर घूमें

भरतपुर नेशनल पार्क के अलावा आप यहां पर लोहागढ़ फोर्ट भी टूरिस्ट प्लेस पर घूमने जा सकते हैं। बांके बिहारी मंदिर, भरतपुर पैलेस और म्यूजियम की सैर कर सकते हैं। भरतपुर में लोकप्रिय गंगा मंदिर अपने अनोखे इतिहास के लिए जाना जाता है। यह लगभग 90 साल पुराना है। यहां पर लक्ष्मण मंदिर और गर्वर्नमेंट म्यूजियम भी देखने के लिए टूरिस्ट जाते हैं।

कैसे पहुंचे भरतपुर

बता दें कि, भरतपुर रेलवे स्टेशन सभी प्रमुख स्टेशनों से पूरी तरह से कनेक्टेड है। दिल्ली से आप भरतपुर ट्रेन पकड़ सकते हैं। दिल्ली से आप बस या फिर प्राइवेट कैब से भी जा सकते हैं। ढाई घंटे में आप यहां आराम से पहुंच जाएंगे।





खुद को खुशकिस्मत मानते हैं ताहिर राज भसीन

छोटी भूमिकाओं से शुरुआत करने वाले ताहिर राज भसीन ने 'मर्दानी' में मेन विलन बनकर अपनी पहचान बनाई। 'ये काली काली आंखें', 'स्पेशल ऑप्स' और 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' के बाद वे इन दिनों 'शक : ट्रस्ट नो वन' को लेकर चर्चा में हैं। ताहिर खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि कम समय में उन्हें नामचीन निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला। कभी सिंगल स्क्रीन थिएटर में दस रुपये का टिकट लेकर सिनेमा देखने वाले ताहिर से एक खास बातचीत।

मेरा सफर खास रहा है

'किस्मत लव पैसा दिल्ली', 'काई पो छे' और 'वन बाय टू' जैसी फिल्मों में छोटी भूमिकाएं निभाने वाले ताहिर राज भसीन को बड़ा ब्रेक 'मर्दानी' से मिला। अपने सफर को खास बताते हुए वह कहते हैं, 'बहुत कम लोगों को इतने कम समय में इतने मशहूर निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिलता है। प्रदीप सरकार के साथ मेरी जर्नी शुरू हुई। उसके बाद नंदिता दास, नितेश तिवारी, कबीर खान, मिलन लुथरिया और नीरज पांडे जैसे निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला। मैं जो भी किरदार निभाता हूं, वह दर्शकों के साथ रह जाता है और उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ता है। वेब सीरीज 'शक' में आलोक के किरदार को लेकर भी ऐसा ही फीडबैक मिल रहा है। कुछ दर्शक उससे सहानुभूति रखते हैं, कुछ उससे जुड़ाव महसूस करते हैं, तो कुछ उस पर गुस्सा होते हैं। मेरे लिए एक अभिनेता के तौर पर यही सबसे बड़ी उपलब्धि है कि उसका किरदार दर्शकों पर असर छोड़े और लंबे समय तक याद रहे।'

चर्चित नहीं यादगार होना जरूरी है

इंडस्ट्री में अच्छा-खासा काम करने के बावजूद ताहिर हमेशा लो-प्रोफाइल रहे हैं। इसकी वजह बताते हुए वह कहते हैं, 'मैं हमेशा लंबी रेस का घोड़ा बनना चाहता था। खुद और अपनी कला पर काम करने के लिए अकेले वक्त बिताना, ट्रैवल करना और परिवार के साथ समय गुजारना भी उतना ही जरूरी है, जितना मीडिया और दर्शकों से जुड़ना। हर वक्त पब्लिक प्रोफाइल बनाए रखना मेरी कोशिश नहीं रही। मैंने सीखा है कि चर्चित होने और यादगार होने में आसमान-जमीन का फर्क है। मेरी कोशिश हमेशा यादगार काम करने की रहती है, चर्चित होना तो उसके बाद अपने आप हो जाएगा।'

लाइफ की हर डीटेल सोशल मीडिया पर डालना जरूरी नहीं

सोशल मीडिया पर लाइक्स और व्यूज ताहिर के लिए कितने मायने रखते हैं? वह कहते हैं, 'मेरे लिए सोशल मीडिया अहम है, लेकिन एक सीमा तक। फिल्म या ट्रेलर रिलीज होने पर दर्शकों की प्रतिक्रिया जानना अच्छा लगता है। इससे प्रशंसकों से जुड़ने और अपने काम को उन तक पहुंचाने का मौका मिलता है। लेकिन जिंदगी का हर पल सोशल मीडिया पर साझा करना जरूरी नहीं। मैं क्या खा रहा हूं या कहां जा रहा हूं, यह बताने की जरूरत महसूस नहीं होती। मेरे लिए काम और निजी जिंदगी के बीच संतुलन जरूरी है। लाइक्स और व्यूज से ज्यादा अहम है कि आपका काम लोगों के दिलों में कितनी जगह बनाता है।'

महिलाओं के गुस्से और दर्द को समझता हूं

हाल ही में राजस्थान में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म और नवजात की मौत के भयावह मामले ने देश को झकझोर दिया। महिलाओं की सुरक्षा और पुरुषों के रक्षक से भक्षक बनने के मुद्दे पर ताहिर कहते हैं, 'यह पूरे देश की समस्या है। ऐसी घटनाओं पर अफसोस जताने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। साथ ही, समाज में शिक्षा और जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। जब तक लोगों का नजरिया नहीं बदलेगा, व्यवहार में बदलाव नहीं आएगा।' सोशल मीडिया पर चल रहे एंटी-मैन नारों पर वह कहते हैं, 'मैं महिलाओं के गुस्से और दर्द को सौ फीसदी समझ सकता हूं, लेकिन कुछ लोगों की गलती के लिए पूरे पुरुष समाज को दोषी ठहराना सही नहीं है। इसी समाज में डॉक्टर, वकील, पुलिसकर्मी और परिवार के ऐसे लोग भी हैं, जो महिलाओं का साथ देते हैं। हमें नकारात्मकता बढ़ाने के बजाय एकता और आपसी समझ पर जोर देना चाहिए।'



हॉरर फ्रेंचाइजी 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत' में नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर आगामी हॉरर फ्रेंचाइजी 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत' में नजर आएंगी। यूनाइटेड किंगडम की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म 'जानी दुश्मन' एक सुपरनैचुरल हॉरर थ्रिलर होने वाली है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'दर्द तो बहुत देखा होगा, लेकिन अब खौफ महसूस करने के लिए तैयार हो जाएं। आपके लिए पेश है, फिल्म 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत'।' फिल्म का निर्देशन अरशद सैयद कर रहे हैं, जबकि इसके क्रिएटिव प्रोड्यूसर रॉबी ग्रेवाल हैं। इसका निर्माण भूषण कुमार (टी-सीरीज) और प्रभलीन संधू की अलमाइटी मोशन पिक्चर मिलकर कर रहे हैं।

इस फ्रेंचाइजी और सहयोग के बारे में बात करते हुए प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने कहा, 'अलमाइटी मोशन पिक्चर एक भरोसेमंद क्रिएटिव पार्टनर रहा है और उनकी टीम के साथ काम करना हमेशा अच्छा लगता है। सीरीज 'मेड इन इंडिया - अ टाइटन स्टोरी' के बाद, हम जानी दुश्मन के लिए उनके साथ फिर से काम करके खुश हैं।' अलमाइटी मोशन पिक्चर की फाउंडर प्रभलीन संधू ने कहा, 'भूषण जी और टी-सीरीज के साथ काम करना हमेशा सुखद रहा है। हमारा जुड़ाव हमेशा खास रहा है और हम एक बिल्कुल अलग सिनेमाई अनुभव के लिए एक बार फिर साथ आने को लेकर उत्साहित हैं। जानी दुश्मन खास तौर पर स्पेशल है क्योंकि यह मुझे रॉबी ग्रेवाल और अरशद सैयद से फिर मिलाती है, जिनके साथ हमने भारत की सबसे पसंदीदा पैरानॉर्मल थ्रिलर सीरीज में से एक बनाई थी।

फिल्म में हाई-ऑक्टेन और रोमांचक एक्शन सीक्वेंस सुनिश्चित करने के लिए हॉलीवुड के मशहूर स्टंट डायरेक्टर पीटर पेड्रेरो भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बने हैं, जिन्होंने हैरी पॉटर, फास्ट एंड फ्यूरियस, द एक्सपेंडेबल्स, गेम ऑफ थ्रोन्स और द कॉन्ज्यूरिंग जैसी फिल्मों में काम किया है। फिल्म की कहानी पूरी तरह से यूनाइटेड किंगडम की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। यह एक मां-बेटी की कहानी है, जो पारिवारिक रहस्यों और अलौकिक शक्तियों के इर्द-गिर्द बुनी गई है। इस फिल्म को क्रिएटिव तौर पर रॉबी ग्रेवाल ने प्रोड्यूस किया है। इसके को-प्रोड्यूसर शिव चनाना और सुनीता विनोद व्यास हैं। यह फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रजनीकांत की फिल्म धर्मन में हुई श्रीलीला की एंट्री



एक्ट्रेस श्रीलीला के हाथ एक और बड़ी तमिल फिल्म लगी है। वह जल्द ही रजनीकांत की फिल्म 'धर्मन' में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अश्वथ मरिमुथु कर रहे हैं, जो 'ओह माय कडवुले' और 'ड्रैगन' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने श्रीलीला के फिल्म से जुड़ने का ऐलान किया। इसके साथ ही वह पहली बार रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

प्रोडक्शन हाउस ने एक्ट्रेस का स्वागत करते हुए एक वीडियो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'उनमें चमक है, उनमें पटाखा वाली बात है। 'धर्मन' में खूबसूरत श्रीलीला का स्वागत है।' बता दें कि फिल्म में रजनीकांत और श्रीलीला के अलावा सिमरन, नयनतारा, योगी बाबू और राशि खन्ना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'धर्मन' पहली फिल्म है, जिसमें अश्वथ मरिमुथु रजनीकांत को डायरेक्ट कर रहे हैं।

फिल्म में डॉक्टर के किरदार में दिखेंगे रजनीकांत फिल्म के पहले पोस्टर के मुताबिक, रजनीकांत इसमें एक डॉक्टर की भूमिका निभा रहे हैं। मेकर्स ने उनके किरदार को 'केट्टा पायन' यानी बुरा लड़का बताया है। यह नाम उनकी 1978 में आई फिल्म 'मुल्लुम मलारुम' के मशहूर किरदार की याद दिलाता है। अब तक सामने आए कुछ पोस्टर्स में रजनीकांत के हाथों पर खून नजर आ रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार ग्रे शेड्स वाला हो सकता है। फिल्म की शूटिंग का तीसरा शेड्यूल सितंबर में पूरा हो चुका है। बताया जा रहा है कि अब फिल्म की मुख्य शूटिंग अपने आखिरी चरण में पहुंच रही है। श्रीलीला और नयनतारा फिल्म की कास्ट में हाल ही में शामिल हुई हैं।



तमिल सिनेमा में लगातार बढ़ रहा है श्रीलीला का काम

श्रीलीला ने इसी साल फिल्म 'पराशक्ति' से तमिल सिनेमा में डेब्यू किया था। इस फिल्म में वह शिवकार्तिकेयन, रवि मोहन और अथर्वा के साथ नजर आई थीं। इसके बाद से उनके पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। इनमें धनुष और ममूटी की फिल्म 'ओम' भी शामिल है। इस फिल्म में वह रोजा का किरदार निभा रही हैं, जो धनुष की पत्नी है। इसके अलावा वह अजित कुमार की फिल्म 'डेयरडेविल' में भी नजर आएंगी। अब 'धर्मन' के जरिए श्रीलीला को तमिल सिनेमा के एक और बड़े सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने का मौका मिला है। इस फिल्म का निर्माण रजनीकांत और कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के साथ आर महेंद्रन की टर्मरिक मीडिया मिलकर कर रहे हैं।



भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल है 'रामायण'

नमित मल्होत्रा और नितेश तिवारी की 'रामायण' को लेकर देशभर में उत्साह चरम पर है। ऐसे में सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी भी इस फिल्म के समर्थन में आगे आए हैं। नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित और नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म के भव्य पैमाने, शानदार स्टारकास्ट और अद्भुत विजुअल्स के अलावा, जो बात इस प्रोजेक्ट को सबसे खास बनाती है, वह है इससे जुड़ी भावनाएं और इसकी आत्मा। शुरुआत से ही फिल्म की टीम ने इस महागाथा को महज एक फिल्म के तौर पर नहीं, बल्कि एक पवित्र जिम्मेदारी के रूप में देखा है। ऐसे दौर में, जब फिल्मी प्रचार अक्सर मार्केटिंग रणनीतियों और तय शेड्यूल तक सीमित रहता है, वहीं 'रामायण' ने भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक महत्व से जुड़ा रास्ता चुना है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और फिल्म इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियां भी इस भव्य प्रोजेक्ट के समर्थन में आगे आ रही हैं। रिलीज़ से ठीक पहले इस उत्साह को और बढ़ाते हुए सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी ने सोशल मीडिया पर फिल्म की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने x स्टोरी पर एक खास संदेश साझा करते हुए लिखा: 'हमारी कालजयी कहानियों और संस्कृति को इतने भव्य स्तर पर जीवंत होते देखना वाकई बेहद खास है। यह भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल है!



...अब हिंदी फिल्मों में अपनी नई पारी शुरू करने की तैयारी कर रही हैं कीर्ति शेट्टी

कीर्ति शेट्टी अब हिंदी फिल्मों में अपनी नई पारी शुरू करने की तैयारी कर रही हैं। खबर है कि वह जल्द ही एक प्रेम कहानी के जरिए बॉलीवुड में कदम रखेंगी। इस फिल्म का निर्देशन विधि घोड़गांवकर करेंगी, जो करीब 17 साल से फिल्मकार रोहित शेट्टी के साथ जुड़ी रही हैं। फिल्म का निर्माण अभिषेक एस. व्यास अपनी निर्माण कंपनी एवीएस स्टूडियोज के तहत करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग साल 2026 के आखिर तक शुरू हो सकती है। हालांकि, फिल्म का नाम, कहानी और दूसरे कलाकारों के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म का नाम भी अभी तय तौर पर सार्वजनिक नहीं किया गया है। इसके अलावा कीर्ति के साथ मुख्य भूमिका में कौन सा अभिनेता नजर आएगा, यह भी स्पष्ट नहीं है। कीर्ति को फिल्म 'उप्पेना' से खास पहचान मिली थी। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया और वह साउथ सिनेमा की चर्चित युवा अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

फिलहाल राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है

तमिलनाडु की राजनीति में जब भी किसी फिल्मी सितारे के कदम रखने की चर्चा होती है, तो सबसे पहले साउथ के बड़े सितारों का नाम सामने आता है। खासकर अभिनेता विजय के राजनीति में आने के बाद से यह सवाल और भी चर्चा में है कि क्या आने वाले समय में कोई दूसरा बड़ा स्टार भी सियासी मैदान में उतर सकता है। इसी बीच अभिनेता सूर्या के राजनीति में आने को लेकर भी लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, अब खुद सूर्या ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि फिलहाल उनका राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है।

दरअसल, सूर्या 8 नवंबर को चेन्नई में दिवाली वाले दिन अपनी फिल्म 'सीन' से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उनसे राजनीति में आने की संभावनाओं को लेकर सवाल किया गया। इस पर अभिनेता ने कहा, 'मैं राजनीति में नहीं आने वाला हूं। इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे राजनीति से नफरत है। मैं चुपचाप और करीब से राजनीति को देख रहा हूं।' अभिनेता ने आगे कहा कि राजनीति में आने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी होना और उसकी जिम्मेदारियों को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बिना रास्ता जाने वह राजनीति में कदम नहीं रखेंगे।



स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।